• जयपुर, मंगलवार, 6 अगस्त 24 • वर्ष 13 • अंक 339 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 1500 भक्तों ने एक साथ डमरू बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया...

पेज @4 केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी की प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी से शिष्टाचार...

पेज @8 » नगर निगम ग्रेटर द्वारा सोमवार को आयोजित किया गया...

बांग्लादेश में भारी बवाल, पीएम आवास में घुसे प्रदर्शनकारी

शेख हसीना ने दिया इस्तीफा और छोड़ा ढाका

ढाका/एजेंसी।

बांग्लादेश में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे है। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ढाका छोड़ दिया है। हसीना ने कि सी सुरक्षित स्थान के लिए निकली हैं। इस बीच ढाका में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास में दाखिल हो गए हैं। शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रदर्शनकारियों ने कई अहम रास्तों पर भी कब्जा कर लिया है। इंटरनेट को पूरी तरह बंद दिया गया है। इस बीच मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में सड×कों पर उतर आए हैं, जो सत्तारूढ़ अवामी लीग के कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री कार्यालय के एक वरि- ष्ठ अधिकारी ने कहा हिंसा भड×कने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ढाका में अपना सरकारी आवास छोड़ दिया है। वर्तमान में उनका ठिकाना अज्ञात है। ढाका में स्थिति अत्यधिक संवेदनशील है और प्रधानमंत्री के आवास पर भीड़ ने कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना सोमवार को दोपहर करीब 2:30 बजे एक सैन्य हेलीकॉप्टर से बंगाभवन से अपनी छोटी बहन शेख रेहाना के साथ सुरक्षित स्थान के लिए रवाना हुई हैं। बांग्लादेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू, इंटरनेट पूरी तरह से बंद

ढाका/एजेंसी। बांग्लादेश सरकार ने प्रदर्शनकारियों के आम जनता से 'लॉन्ग मार्च टू ढाका' में भाग लेने का आ''ान करने के बाद इंटरनेट को पूरी तरह बंद करने का सोमवार को आदेश दिया। सरकार ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक', 'मैसेंजर', 'व्हॉट्सऐप' और 'इंस्टाग्राम' को बंद करने का भी आदेश दिया है। इससे एक दिन पहले बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ पार्टी के समर्थकों के बीच देश के विभिन्न हिस्सों में झड़पें हुईं। इन झड़पों में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। झड़पें रविवार की सुबह हुईं जब प्रदर्शनकारी 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन' के परचम तले आयोजित 'असहयोग कार्यक्रम' में भाग लेने पहुंचे। अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई।

भारत पहुंच अजित डोभाल से मिली शेख हसीना

विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी ब्रीफिंग, संसद में होगी चर्चा

नई दिल्ली/एजेंसी।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में हैं. इस दौरान नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की. हसीना ढाका से भागकर आज शाम गाजियाबाद पहुंची हैं. शाम 5.36 बजे उनका विमान सी-130 हिंडन एयरपोर्ट पर लैंड हुआ था. सूत्रों के मुताबिक, शेख हसीना के मामले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. उन्होंने पीएम मोदी को पूरी घटना की ब्रीफिंग दी है. पीएम मोदी के अलावा, विदेश मंत्री ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भी मुलाकात की और उन्हें भी बांग्लादेश की घटना के बारे में ब्रीफ किया.

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री का विमान भारतीय वायुसेना के हैंगर के करीब पार्क है. वायुसेना पू- रे मूवमेंट पर नजर रख रही है. सुरक्षा बलों और वायुसेना के सूत्रों का कहना है कि भारतीय एयरस्पेस में जैसे ही उनका विमान दाखिल हुआ, तब से लेकर हिंडन एयरपोर्ट पहुंचने तक हमने निगाहें गड़ाए रखीं.

बता दें, हसीना ने आज दोपहर 2.30 बजे राष्ट्रपति आवास बंगभवन से सेना के हेलीकॉप्टर में उड़ान भरी थी. शेख हसीना के साथ उनकी छोटी बहन शेख रेहाना भी हैं.

बांग्लादेश में हिंसा: अब तक हुई 98 लोगों की मौत, भारतीयों से सावधानी बरतने की अपील

ढाका/एजेंसी।

बांग्लादेश में फिर से हिंसा भड़क गई है। इस बार प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर बवाल मचा है।हिंसा के रूप का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अब तक कम से कम 98 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए हैं।इसको लेकर गृह मंत्रालय ने रविवार शाम 6 बजे से देश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाने का आदेश जारी कर दिया। इसी तरह इंटरनेट भी बंद किया गया है।

बांग्लादेश में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में लडने वाले सेनानियों को दिया गया 30 प्रतिशत आरक्षण खत्म कर दिया था।इसके बाद आरक्षण की मांग करने वाले युवा असहयोग आंदोलन कर रहे थे। उन्होंने रविवार को प्रधानमंत्री हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया था।उस दौरान सरकार समर्थित दलों ने इसका विरोध किया और हिंसा भड×क गई। रातभर देशभर में हिंसा की घटनाएं होती रही।

हिंसा के बाद गृह मंत्रालय ने रविवार शाम 6 बजे से अनिश्चितकालीन देशव्यापी कर्फ्यू लगाने का आदेश जारी कर दिया।

बांग्लादेश में अशांतिः एयर इंडिया ने ढाका से आने-जाने वाली उड़ानें कीं रद्द

नई दिल्ली/एजेंसी। एयर इंडिया ने सोमवार को बांग्लादेश में बढ़ती अशांति के बीच ढाका से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी हैं।

बांग्लादेश की नेता शेख हसीना के देश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने व गाजियाबाद के हिंडन एयर बेस पर उतरने के बाद एयर इंडिया ने यह घोषणा की। एयर इंडिया ने एक्स पर पोस्ट किया, बांग्लादेश की स्थिति को देखते हुए, हमने ढाका से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। देश की प्रमुख एयरलाइन ने कहा, हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और ढाका से आने-जाने के लिए कन्फर्म बुकिंग वाले अपने यात्रियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्हें यात्रा के पुनर्निर्धारण और टिकटों के रद्दीकरण शुल्क पर छूट दी गई है। इससे पहले दिन में, भारतीय रेलवे ने भी बांग्लादेश के लिए ट्रेन संचालन को रोक दिया था।

बढ़ती अशांति के बीच, बांग्लादेश की राजधानी के पॉश इलाके धानमंडी में बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के घर में आग लगा दी गई। रविवार को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने और 1,000 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है।

न्यूज अपडेट

सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी

● दिल्ली शराब घोटाला पर अभिषेक मनु सिंघवी ने शुरू की बहस

नईदिल्ली/एजेंसी। दिल्ली शराब घोटाला मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो चुकी है। सिसोदिया की तरफ से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बहस की शुरुआत की। जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस जस्टिस के बी विश्वनाथन की बेंच सुनवाई कर रही है। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी दोनों जांच एजेंसियों की ओर से दर्ज केस में जमानत की मांग की है। इससे पहले निचली अदालत और हाई कोर्ट उनकी जमानत याचिका को खारिज कर चुका है। सिंघवी ने बहस की शुरुआत करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी को अपराध से कोई लाभ नहीं हुआ है। अभी तक निचली अदालत में ट्रायल शुरू भी नहीं हो पाया है। इस मामले में जांच एजेंसी ट्रायल में देरी कर रही है। यह तो इस मामले को लंबा खींचने की कोशिश है।

केदारनाथ धाम में फंसे 250 से ज्यादा यात्री, रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ की 6 टीमें रवाना

रुद्रप्रयाग/एजेंसी।

केदारनाथ धाम में फंसे 250 से अधिक यात्रियों को लिंचोली से भीमबली तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए एसडीआरएफ के छह जवानों की टीम रवाना की गई है। जहां से यात्रियों को एयरलिफ्ट कर सोनप्रयाग पहुंचाया जाएगा। इसके लिए सेना के एम-17 और चिनूक हेलीकॉप्टर काम पर लगाए गए हैं। सोमवार को केदार घाटी का मौसम साफ होने के साथ ही एमआई 17 और चिनूक से एयर लिफ्ट रेस्क्यू शुरू हो गया है।

एमआई चारधाम हेलीपैड पर यात्रियों को उतार रहा है जबकि चिनूक गौचर हवाई पट्टी पर यात्रियों को उतरेगा। सुबह नौ बजे तक 133 लोगों को केदारनाथ से एमआई, चिनूक और अन्य छोटे हेलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित एयर लिफ्ट किया जा चुका है। सभी लोगों के बाहर आने तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहेगा।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का बड़ा बयान

वक्फ एक्ट में कोई भी बदलाव मंजूर नहीं

नईदिल्ली/एजेंसी।

वक्फ बोर्ड में संशोधन वाला बिल अभी संसद पेश नहीं हुआ है लेकिन उसे लेक र हंगामा पहले ही मच गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इसपर एतराज़ जताया है और कहा है कि वक्फ़ एक्ट 2013 में कोई भी ऐसा बदलाव, जिससे वक्फ़ संपत्तियों की हैसियत और प्रकृति बदल जाए या उन्हें हड़पना सरकार या किसी व्यक्ति के लिए आसान हो जाए, हरगिज़ क़बूल नहीं होगा। इसी तरह वक्फ़ बोर्डों के अधिकारों को कम या सीमित करने को भी कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं सुन्नी धर्मगुरू मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने भी वक्फ एक्ट में संशोधन को गैरज़रूरी बताया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि वक्फ एक्ट में कोई भी बदलाव मंजूर नहीं। वक्फ बोर्ड के अधिकारों को कम करना बर्दाश्त नहीं। इसमें संशोधन होने से वक्फ की जमीन हड़पना आसान हो जाएगा। सरकार इस कानून में कोई संशोधन नहीं कर सकती। ओवैसी ने तो संशोधन बिल को वक्फ बोर्ड की संपत्ति हड़पने की साजिश बता दी है चो वहीं लखनऊ-दारुल उलूम प्रवक्ता सुफियान निज़ामी ने कहा है कि सरकार वक्फ़ एक्ट को मजबूती प्रदान करें, वक्फ़ से अवैध कब्ज़ों को सरकार हटाए, वक्फ़ बोर्ड के हाथों को सरकार मजबूत करें सही नीयत से सरकार बोर्ड की मदद करें, वक्फ़ जमीनों पर सरकारी इमारतों से लें। वक्फ़ एक्ट में कोई भी बदलाव हरगिज़ क़बूल नहीं होगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद क़ासिम रसूल इलयास ने एक प्रेस बयान में कहा कि विश्वसनीय जानकारी के अनुसार, भारत सरकार वक्फ़ एक्ट 2013 में लगभग 40 संशोधनों के माध्यम से वक्फ़ संपत्तियों की हैसियत और प्रकृति को बदलना चाहती है ताकि उन पर कब्जा करना और उन्हें हड़पना आसान हो जाए। जानकारी के अनुसार, इस प्रकार का विधेयक अगले सप्ताह संसद में पेश किया जा सकता है।

वैशाली में श्रावणी मेले के दौरान 9 कांवडियों की करंट लगने से मौत

पटना/एजेंसी।

बिहार के वैशाली जिले में रविवार देर रात भयानक हादसा हुआ। यहां हाजीपुर में हाइटेंशन तार से चिपककर 9 कांवडियों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं।घटना औद्योगिक थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में हुई है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी कांवडिये जेठुई गांव के रहने वाले हैं।पुलिस का कहना है कि गंभीर रूप से झुलसे कांवडियों की हालत भी ठीक नहीं है। सभी सदर अस्पताल में भर्ती हैं।

हाजीपुर के पुलिस अधिकारी ने बताया कि कांवडियों का जत्था पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर बाबा हरिहरनाथ का जलाभिषेक करने जा रहा था।जत्थे के साथ ट्रॉली पर साउंड सिस्टम भी लगा हुआ था, जिसकी ऊंचाई काफी अधिक थी। रास्ते में जा रही 11,000 वोल्ट की हाइटेंशन तार से साउंड सिस्टम छू गया, जिससे पूरी ट्रॉली में करंट फैल गया।इससे मौके पर ही 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा गांव से 500 मीटर दूर हुआ। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने हाजीपुर-जंदहा मार्ग को जाम कर दिया और बिजली कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की।बता दें, सावन का महीना शुरू होने के बाद कांवडियों के साथ लगातार हादसों की खबर आ रही है। कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुरैना और मेरठ में करंट लगने से 3 कांवडियों की मौत हो गई थी।प्रदेश में ही कांवड़ लेकर जा रहे कुछ श्रद्धालुओं की ट्रॉली पलटी थी, जिससे 2 लोगों की मौत हुई थी।

सोशल मीडिया पर स्क्रॉल होती युवाओं की जिंदगी

अगर आप समाज से अलग-थलग महसूस करते हैं, और सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसे ऐप्स पर ज्यादा समय बिताते हैं तो एक नए शोध के अनुसार, इससे स्थिति और बिगड़ सकती है। सोशल मीडिया से युवाओं में अवसाद बढ़ रहा है। फेसबुक से डिप्रेशन का खतरा 7 प्रतिशत बढ़ा है, फेसबुक से चिड़चिड़ापन का खतरा 20 प्रतिशत बढ़ा है। सोशल मीडिया ने मोटापा, अनिद्रा और आलस्य की समस्या बढ़ा दी है, 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं। स्टडी के मुताबिक सोशल मीडिया से सुसाइड रेट बढ़े है। इंस्टाग्राम से लड़कियों में हीन भावना आ रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से जांच करना और स्क्रॉल करना पिछले एक दशक में तेजी से लोकप्रिय गतिविधि बन गया है। अधिकांश लोगों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग सोशल नेटवर्किंग साइटों के आदी हो जाने से हो रहा हैं।

वास्तव में, सोशल मीडिया की लत एक व्यवहारिक लत है जिस में सोशल मीडिया के बारे में अत्यधिक चिंतित होने की विशेषता है, जो सोशल मीडिया पर लॉग ऑन करने या उपयोग करने के लिए एक अनियंत्रित आग्रह से प्रेरित है और सोशल मीडिया के लिए इतना समय और प्रयास करते है जो अन्य महत्वपूर्ण जीवन क्षेत्रों को प्रभावित करता है। वर्तमान समय में फोन बड़े से लेकर बच्चों तक के लिए जरूरी हो गया है। बच्चों के स्कूल की पढ़ाई भी ऑनलाइन हुई है। ऐसे में बच्चे फोन पर ज्यादा समय बताते है। फोन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से बच्चों को सोशल मीडिया की लत भी लग रही है। सोशल मीडिया पर लत की वजह से बच्चों की नींद पर असर पड़ रहा है। नजर भी कमजोर हो जाती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिपोर्ट में ये साफ हुआ है कि अगर कोई बच्चा एक हफ्ते तक लगातार सोशल मीडिया का प्रयोग करते है, तो वह एक रात तक की नींद भी खो सकते हैं। अकसर बच्चों के साथ ये होता है कि जब वो सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके सोते है, तो आंखें बंद करने के बाद भी उनके दिमाग में वह चीजें चलती रहती है, जो वो देखकर सोए है। सोशल मीडिया की लत एक व्यवहार संबंधी विकार है जिसमें किशोर या युवा वयस्क सोशल मीडिया से मोहित हो जाते हैं और स्पष्ट नकारात्मक परिणामों और गंभीर कमियों के बावजूद ऑनलाइन मीडिया को कम करने या बंद करने में असमर्थ होते हैं। जबकि कई किशोर दैनिक आधार पर (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यू-ट्यूब, वाइन, स्नैपचैट और वीडियो गेम सहित) ऑनलाइन मीडिया के किसी न किसी रूप में संलग्न होते हैं, किशोर सोशल मीडिया की लत अत्यधिक खतरनाक है, एक बढ़ती हुई अच्छा महसूस करने के तरीके के रूप में सोशल मीडिया पर निर्भरता, और दोस्ती में नुकसान, शारीरिक सामाजिक जुड़ाव में कमी और स्कूल में नकारात्मक प्रभाव के बावजूद इस व्यवहार को रोकने में असमर्थता चिंता का विषय बन गई है। दुनिया में हर पांचवां युवा यानी लगभग 19 फीसद युवाओं ने साल भर के भीतर किसी न किसी तरह के खेल में पैसा लगाया है। इसमें वे ज्यादातर बार ऑनलाइन सट्टेबाजी का शिकार हुए है। आज के समय में सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा उपयोग से युवा वर्ग में न सिर्फ आत्मविश्वास कम हो रहा है बल्कि अकेलेपन का भी आभास बढ़ रहा है। लिहाजा, हताशा और चिंता भी बढ़ती है। पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर वैसे तो सभी वर्गों की सक्रियता बढ़ी है, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावित युवा वर्ग हो रहा है। यहां तक की आत्महत्या का ख्याल भी युवाओं में बढ़ रही है।

लंबे समय तक सोशल मीडिया पर बने रहने के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर विपरीत असर हो रहा है। ऐसे मामलों में 15 से 45 वर्ष आयु के केस अधिक सामने आ रहे हैं। जिसके कारण नींद की कमी के साथ-साथ कार्य की क्षमता भी प्रभावित होती है। आज का दौर मोबाइल, लैपटॉप जैसे गैजेट्स के बगैर अधूरा है। ऐसे में आप अपनी मानसिक सेहत का ध्यान रखकर और कुछ उपायों को अपनाकर सोशल मीडिया के एडिक्शन से बच सकते है। हम में से ज्यादातर लोग आज सोशल मीडिया के आदी हैं। चाहे आप इसका इस्तेमाल दोस्तों और रिश्तेदारों से जुड़ने के लिए करें या वीडियो देखने के लिए, सोशल मीडिया हम में से हर एक के लिए जाना-पहचाना तरीका है। प्रौद्योगिकी और स्मार्ट उपकरणों के प्रभुत्व वाली दुनिया में नेटफ्लिक्स को बिंग करना या फेसबुक पर स्क्रॉल करना, इन दिनों मिनटों और घंटों को खोना बहुत आम है। ये वेबसाइट और ऐप हमारा ज्यादातर समय खा रहे हैं, इतना कि यह अब एक लत में बदल गया है। सोशल मीडिया की लत जल्दी से उस कीमती समय को खा सकती है जो कौशल विकसित करने, प्रियजनों के साथ समय का आनंद लेने या बाहरी दुनिया की खोज में खर्च किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि यह मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों जैसे कम आत्मसम्मान, अकेलेपन की भावना, अवसाद और चिंता का कारण बन सकता है। सप्ताह में कम से कम एक या दो बार, #सोशल मीडिया फ्रीज़ दिवस मनाएं। यह शनिवार/रविवार को हो सकता है या जो भी दिन आपको लगता है कि आपके लिए उपयुक्त है। समय के साथ, हमें अपनी स्क्रीन पर दिखने वाले छोटे-छोटे इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप या फेसबुक आइकन की आदत हो जाती है।

नया क्या है, देखने के लिए अपने फोन की जांच करना हमारी आदत बन गई है। आप अपने सोशल मीडिया के उपयोग को कम करने के लिए दिन में एक बार अपने नोटिफिकेशन देख सकते हैं। सोशल मीडिया के लिए अपनी आवश्यकता पर विचार करें क्योंकि कभी-कभी सोशल मीडिया की लत हमारे ध्यान या दूसरों के साथ संबंध की आवश्यकता के कारण हो सकती है। इस पर अपने विचार लिखने के लिए कुछ समय व्यतीत करें और इस पर काम करने का प्रयास करें कि आप अपने उपयोग को कैसे कम कर सकते हैं। किशोर सोशल मीडिया व्यसन उपचार का पहला और सबसे प्राथमिक कार्य किशोरों द्वारा सोशल मीडिया पर बिताए जाने वाले समय को कम करना है। किशोरों द्वारा ऑनलाइन बातचीत करने में लगने वाले समय को सीमित कर-के, हम उन्हें अपने साथियों के साथ वास्तविक सामाजिक संपर्क को प्राथमिकता देने में मदद करते हैं। यह न केवल स्वस्थ है, बल्कि इस तरह, वे स्वयं की बेहतर समझ विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं। हम जानते हैं कि सोशल मीडिया की लत से जूझ रहे किशोरों के लिए ताजी हवा में अधिक समय बिताना महत्वपूर्ण है। सोचिये, हमारे आस- पास समुद्र तटों से लेकर पार्कों और लंबी पैदल यात्रा मार्गों तक, सुंदर प्राकृतिक स्थल क्यों बनाए गए हैं।

न्याय से आशा और अहसास जगाते चंद्रचूड़

ललित गर्ग

50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) डी.वाई. चंद्रचूड़ की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से जुड़ी इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' लेकिन प्रधान न्यायाधीश के अनुसार लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? दुर्भाग्य से यह प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। यह ठीक है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने त्रस्त करने वाली न्याय प्रक्रिया को लेकर यह भी कहा कि यह स्थिति हम न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है, लेकिन यदि इस समस्या का निदान नहीं होता तो फिर एक कटु सच्चाई बताने का क्या लाभ? जस्टिस चंद्रचूड़ ने काफी सधा हुआ बयान दिया है तो न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए।

निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में जहां वे पहले ही कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में रहे हैं वहीं अपनी बेबाक एवं सुधारमूलक टिप्पणियों से आम जनता की सराहना के पात्र बनते रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी भी चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने स्वीकारा है कि कानून की इन स्थितियों में किसी तरह का समझौता समाज में पहले से व्याप्त असमानता को ही दर्शाता है। उन्होंने वादों के शीघ्र निपटान में लोक अदालतों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। निस्संदेह, गाहे-बगाहे न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका द्वारा न्याय मिलने में होने वाली देरी को लेकर चिंता जरूर जतायी जाती है, लेकिन इस जटिल समस्या के समाधान की दिशा में बदलावकारी

प्रयास होते नजर नहीं आते। जिसके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला चलता ही रहता है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। इनमें से अनेक मामले ऐसे हैं, जो दशकों से लंबित हैं। स्वयं सुप्रीम कोर्ट में दशकों पुराने कई मामले लंबित हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। न्याय त्वरित गति से होता हुआ भी दिखना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है।

न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। वह आम आदमी के पल्ले नहीं पड़ती। समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में न्यायिक प्रक्रिया की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इस दिशा में कुछ प्रयास हुए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जिससे तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके। उम्मीद की जा रही है कि हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार हो सकेगा। केंद्र सरकार भी कहती रही है कि नये कानूनों का मकसद लोगों को सजा देने के बजाय न्याय दिलाने पर केंद्रित है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन प्रयासों से मुकदमों के निस्तारण में गति आएगी। देश की जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि दशकों से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण हो। जिससे न्यायिक प्रक्रिया से हताश-निराश लोग समझौता करने को बाध्य न हों। विश्वास किया जाना चाहिए कि मुख्य न्यायाधीश की चिंता के बाद न्यायिक प्रक्रिया को सरल-सुगम बनाने के लिये अभिनव पहल हो सकेगी। जिससे आम लोगों की समय पर न्याय मिलने की आस पूरी हो सकेगी। इसके अलावा यह भी आवश्यक है कि सरकारें मुकदमेबाजी से बाज आएं, क्योंकि सबसे बड़ी मुकदमेबाज तो वे खुद हैं। नये तीन कानूनों के बाद मुकदमों की सुनवाई द्रुत गति से होगी, लेकिन देखना यह है कि ऐसा हो पाता है या नहीं? प्रश्न यह भी है कि आखिर करोड़ों लंबित मामलों का क्या होगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर देश की जनता को चाहिए। जनता समस्याओं का उल्लेख नहीं, बल्कि उनका समाधान चाहती है।

इससे इनकार नहीं कि अपने देश में आबादी के अनुपात में न्यायालयों और न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या नहीं है और यह संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है, निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ के ताजे वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए।

मनु भाकर क्यों बन गयीं सभी खिलाड़ियों के लिए आदर्श

आरके सिन्हा

निशानेबाज मनु भाकर को अब सारा देश जानता है। पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भी चौथे स्थान पर रहीं। उनके पेरिस ओलंपिक खेलों में अभूतपूर्व प्रदर्शन से सारा देश प्रसन्न है। मनु भाकर सिर्फ अचूक निशानची ही नहीं हैं। वो तो देश के अधिकतर खिलाड़ियों के लिए भी एक तरह से प्रेरणा हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा पर भी हमेशा भरपूर ध्यान दिया। हरियाणा के झज्जर शहर की रहने वाली मनु भाकर ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड की परीक्षाओं में 90 पर्सेंट से अधिक अंक अर्जित किए। उसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) से राजनीति विज्ञान में आनर्स की डिग्री भी ली। एल. एस. आर. देश का चोटी का महिला कॉलेज माना जाता है। नोबल पुरस्कार विजेता और म्यांमार की शिखर नेता आंग सान सू ची यू ने 1964 में इसी लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। मुन भाकर का लेडी श्रीराम कॉलेज में पढ़ना इस बात की गवाही है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पर भी हमेशा फोकस रखा। इधर बीते कुछ सालों से हमारे अपने देश के बहुत सारे नामवर खिलाड़ियों ने स्कूल के बाद आगे की पढ़ाई नहीं की। ये कोई बहुत आदर्श स्थिति नहीं मानी जा सकती। आप कितने ही बड़े खिलाड़ी क्यों न हो जाएं, पर आप बेहतर इंसान और नागरिक तो ढंग से पढ़-लिखकर ही बनते हैं। महान फुटबॉलर चुन्नी गोस्वामी, क्रिकेटर अजीत वाडेकर और सुनील गावस्कर उन खेलों की दुनिया के शिखर नाम रहे हैं, जिन्होंने खेल के मैदान में जौहर दिखाते हुए अपनी पढ़ाई को नजरअंदाज नहीं किया।

चुन्नी गोस्वामी और अजीत वाडेकर तो स्टेट बैंक में अहम पदों पर इसलिए पहुंचे, क्योंकि ; इनके पास सही डिग्रियां थीं। सुनील गावस्कर बीते पांच दशकों से सक्रिय हैं। पहले क्रिकेटर के रूप में और बाद के दशकों में बतौर लेखक और कमेंटेटर के। उनके पास क्रिकेट की गहरी समझ के अलावा शब्दों का भंडार भी है। वैसे खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने के आधार पर नौकरी तो बहुत सारे खिलाड़ियों को मिल ही जाती हैं। माफ करें, कई कथित

खिलाड़ियों को जाली प्रमाणपत्रों के आधार पर भी नौकरियां मिलती रही हैं। यह भी सबको पता है।

सारी दुनिया ने मनु भाकर को बीत दिनों मीडिया को इंटरव्यू देते हुए देखा। इतनी छोटी सी उम्र में वह कितने धीर-गंभीर अंदाज में अपनी बात रखती है। वह गीता का उदाहरण देते हुए सफलता के मर्म को समझाती है। मनु भाकर हिन्दी और अंग्रेजी में पूरे विश्वास के साथ सवालों के जवाब देती है। यही सही शिक्षा सिखाती भी है। आप पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के अधिकतर खिलाड़ियों को देख लें। जावेद मियांदाद, इंजमाम उल हक, शोएब अख्तर जैसे मशहूर खिलाड़ियों ने खेल के मैदान में भले ही बेहतरीन प्रदर्शन किए हों, पर वे जब बोलते हैं तो सच में बहुत अफसोस होता है कि बेहतर शिक्षा ना मिलने के कारण वे अपने व्यक्तित्व निर्माण में कितना पिछड़ गए। वे इंटरव्यू देते वक्त पूरी तरह से सड़क छाप ही लगते हैं।

बेशक,शिक्षा ही जीवन का आधार है और बिना शिक्षा के मनुष्य का जीवन अर्थहीन व दिशाहीन हो जाता है। एक सफल जीवन में सार्थक शिक्षा का विशेष महत्व होता है। शिक्षा जीवन का आधार है, और शिक्षा से ही मनुष्य अपने जीवन में आगे बढ़ता है, सही गलत में अंतर कर पाता है। शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। अगर आपके संस्कार सही है तो आपकी शिक्षा भी सही दिशा में जाएगी। मनु भाकर और दूसरे खिलाड़ियों के कोचों का दायित्व है कि वे युवा पीढ़ी को सही मार्ग दिखाएं, ताकि आने वाला कल अच्छा हो। उन्हें शिक्षा के महत्व की जानकारी दें। मनु भाकर के अलावा भी हमारे यहां बहुत सारे खिलाड़ी साबित करते रहे हैं कि खेलों में सफलता के साथ-साथ पढ़ाई करना भी संभव है। यह सच है कि पेशेवर खिलाड़ी बनने के लिए बहुत समर्पण और मेहनत चाहिए। इसके अलावा, व्यक्ति को अपने खेल के शिखर पर पहुंचने के लिए बहुत कुछ त्याग करना पड़ता है। तमाम कठिनाइयों और संघर्षों के बीच, अधिकांश एथलीटों के लिए पढ़ाई पीछे छूट जाती है। पर इस तरह के खिलाड़ियों की भी कोई कमी नहीं है, जिन्होंने अपने खेल और पढ़ाई के बीच सही संतुलन बनाया और दोनों क्षेत्रों में कामयाबी हासिल की है। ये व्यक्ति बौद्धिक और शारीरिक शक्ति का शानदार उदाहरण हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के हाल तक कोच रहे राहुल द्रविड़ को दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सभी प्रारूपों में 23,000 से अधिक रन हैं। राहुल द्रविड़ ने कॉमर्स में स्नातक की डिग्री भी हासिल की है, जिसे उन्होंने बेंगलुरू के सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स से प्राप्त किया। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने से पहले, वह एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे।

कर्नाटक और भारतीय टीम में राहुल द्रविड़ के साथी अनिल कुंबले ने सभी प्रारूपों में 900 से अधिक विकेट लिए हैं और टेस्ट और वनडे क्रिकेट में भारत के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कुंबले भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और कोच भी रहे हैं। उनके पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री है। अब शतरंज के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद की बात कर लेते हैं। विश्वनाथन आनंद पहले भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं। वह पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन हैं और उन्हें शतरंज के सार्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जा सकता है। शतरंज के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों ने उनकी शिक्षा को बाधित नहीं किया। उनके पास चेन्नई के लोयोला कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक की डिग्री है। यह हरेक इंसान को समझना होगा कि हमारे जीवन में शिक्षा का क्यों इतना महत्व है और हर व्यक्ति को शिक्षित होना क्यों जरूरी है? सबसे जरूरी बात यह है कि शिक्षा हमें निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। शिक्षित लोग अपने जीवन के बारे में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। इसके अलावा, शिक्षा हमें समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती है। शिक्षित लोग अपने आसपास की दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान दे सकते हैं। शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है। मनु भाकर यह साबित करती है कि हरेक इंसान के लिए शिक्षा कितनी अहमियत रखती है।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

उमंग व उल्लास का पर्व है तीज

रमेश सर्राफ धमोरा

श्रावण में बरसात के मौसम में चारों ओर हरियाली की चादर बिखर जाती है, जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को श्रावणी तीज कहते हैं। उत्तर भारत में यह हरियाली तीज के नाम से भी जानी जाती है। सावन के महीने में सिंजारा, तीज, नागपंचमी एवं सावन के सोमवार जैसे लोकपर्व उत्साह पूर्वक मनाए जाते हैं। श्रावण के महीने में मनायी जाने वाली हरियाली तीज आस्था, प्रेम, सौंदर्य व उमंग का त्यौहार है। तीज को मुख्यतः महिलाओं का त्यौहार माना जाता है। यह पर्व महिलाओं की सांस्कृतिक मान्यताओं का प्रतीक है। सावन माह में मनाया जाने वाला हरियाली पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतीक है। तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

वर्षा ऋतु में श्रावण के महीने में हमारे देश में चारों तरफ पानी बरसता रहता है। इस दौरान चारों तरफ हरियाली ही हरियाली नजर आती है। हरियाली के आगोश में प्रकृति इस तरह झूम उठती है मानो पृथ्वी अपनी हरी-भरी बाहें फैलाकर सबका अभिनंदन कर रही हो। श्रावण के महीने को हिंदू धर्मावलंबी भगवान शिव का महीना मान मानकर भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। कांवड़िए देशभर में विभिन्न नदी, तालाबों से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। गणगौर के बाद पर्वों का सिलसिला रुक जाता है। वह एक बार फिर श्रावण मास की तीज से प्रारंभ हो जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। श्रावण का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट सुनाने लगता है। यह पर्व भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रगाढ़ता प्रदान करने का पर्व है। इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका ताल्लुक पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह पर्व जीवन में जश्न का प्रतीक है और हरियाली

तीज का पर्व प्रकृति का त्योहार हैं। इस मौके पर महिलाएं अच्छी फसल के लिए भी प्रार्थना करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेहंदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं।

राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है, उन्हें अपने होने वाले सास-ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में सिंझारा कहते हैं। सिंझारा में मेहंदी, लाख की चूडियां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, घेवर नामक मिठाई जैसी कई वस्तुएं होती हैं। पीहर पक्ष अपनी विवाहित पुत्री को भी सिंझारा भेजा जाता है। इसे पूजा के बाद सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। राजस्थान में नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुलाने की भी परम्परा है। तीज के अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेहंदी रचाते हुए गीत गाती हैं। समूचा वातावरण शृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है कि महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेल-बूटे बनाकर मेहंदी रचाना। राजस्थान में हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेहंदी रचाती हैं। इसे मेंहदी मांडना कहते हैं। इस दिन राजस्थानी बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं। जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। राजस्थान के गांवों में पहले लड़कियां गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलती थीं। तीज के दिन से गुड्डे-गुड्डी का खेल खेलना बन्द कर देती थी। इसलिये गांव की लड़कियां एक साथ एकत्रित होकर अपनी पुरानी गुड्डे-गुड्डी को गांव के पास के नदी,तालाब, जोहड़ में बहा देती थी, जिसे गुड्डी बहावना कहा जाता था। अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये स्त्रियां यह व्रत किया करती हैं। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर शोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है। स्त्रियों द्वारा सुंदर वस्त्र धारण किए जाते हैं तथा घर को सजाया जाता है। इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। तीज का आगमन वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आरंभ हो जाता है। आसमान काले मेघों से आच्छादित हो जाता है और वर्षा की फुहार पड़ते ही हर वस्तु नवरूप को प्राप्त करती है। ऐसे में भारतीय लोकजीवन में हरियाली तीज या कजली तीज महोत्सव का बहुत गहरा प्रभाव देखा जा सकता है। आज के दौर में ये सब बीती बाते बन कर रह गई है। राजस्थान में मान्यता है कि गणगौर के साथ ही पर्व-त्यौहार मनाना बन्द हो जाते हैं। वो तीज के दिन से पुनः मनाये जाने लगते हैं। तीज से शुरू होने के बाद त्यौहारों का सिलसिला गणगौर तक चलता है। इसीलिए राजस्थान में एक कहावत प्रचलित है तीज त्योंहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

1500 भक्तों ने एक साथ डमरू बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

चमकता राजस्थान

उज्जैन। श्रावण मास के पावन महीने में 1500 भक्तों ने उज्जैन के शक्ति पथ महाकाल लोक में एक साथ डमरू बजाकर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। यह आयोजन सोमवार को सुबह 11:30 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति और मध्य प्रदेश सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित किया गया था गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने स्थल पर आधिकारिक घोषणा कर इस अद्वितीय कीर्तिमान को मान्यता दी। रिकॉर्ड बनाने के इस प्रयास की परिकल्पना और क्रियान्वयन विश्व रिकॉर्ड सलाहकार निश्चल बरोट द्वारा किया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सभी मानदंड पूरे किए गए हैं ऐसी मान्यता है कि डमरू को भगवान शिव द्वारा बनाया गया था। ऐसा भी माना जाता है कि इस पवित्र वाद्य यंत्र से उत्पन्न हुई आध्यात्मिक ध्वनियों द्वारा ब्रह्मांड का निर्माण और नियमन हुआ था। इस वाद्य यंत्र को सामूहिक रूप से बजाने से इस आयोजन में गहन आध्यात्मिक महत्ता जुड़ गई।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज, सांसद अनिल फिरोजिया, उज्जैन उत्तर विधायक अनिल कालूहेड़ा, घट्टिया विधायक सतीश मालवीय, उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, नगर जिला अध्यक्ष विवेक जोशी और उज्जैन उत्तर विधानसभा संयोजक जगदीश पांचाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें। यह रिकॉर्ड-निर्माण आयोजन ने न केवल उज्जैन की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को उजागर किया बल्कि भक्ति और परंपरा की सामूहिक अभिव्यक्ति के लिए लोगों को साथ लाया।

संक्षिप्त समाचार

धार्मिक अनुष्ठान, हर्षोल्लास और विधिवत रूप से मनाया जेडीए स्थापना दिवस

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) 05 अगस्त। जयपुर विकास प्राधिकरण का 43वां स्थापना दिवस सोमवार को जेडीए प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल ने मंत्रोच्चार के साथ गणेश पूजन किया। इस अवसर पर जेडीए अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।जेडीसी ने गणेश पूजन में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्थापना दिवस पर शुभकामनांए दी। गणेश पूजन के पश्चात जेडीए परिसर में जयपुर विकास आयुक्त द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण शिविर का हुआ आयोजन

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं रोटरी क्लब के तत्वावधान में हुआ आयोजन
- संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक के निर्देश पर हुआ शिविर का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर,!(खलील कुरैशी) 05 अगस्त। संभागीय आयुक्त डॉ. आरुषि मलिक के निर्देश पर जयपुर के रोटरी क्लब परिसर में सोमवार को निःशुल्क कृत्रिम हाथ वितरण शिविर का

आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में चयनितों को कृत्रिम हाथ का वितरण किया गया।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक बी.पी. चंदेल ने बताया कि कोहनी से नीचे कटे हाथ वाले महिलाओं, पुरुषों, बच्चों को अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा निर्मित कृत्रिम हाथ का निःशुल्क वितरण किया गया।न्होंने बताया कि यह हाथ लगाने एवं निकालने में अत्यंत सहज एवं सरल मजबूत टिकाऊ, एवं बहुउपयोगी है। इसकी तीन उंगलियां स्थाई हैं एवं दो उंगलियां हिलाई जा सकती है। इसको लगाकर साइकिल चलाना, लिखना एवं अन्य घरेलू कार्य किये जा सकते हैं। इसका वजन लगभग 400 ग्राम है।

मिशन चहक की पहल पर पक्षियों का आशियाना

चमकता राजस्थान/जयपुर। कांक्रीट के इस बढ़ते हुए दौर में जहां जंगल का तेजी से समापन हो रहा है। वहीँ हमारे वन्य जीव, पशु-पक्षियों के वास भी समाप्त होते जा रहे है। इसी समस्या के समाधान के स्वरूप मिशन चहक के माध्यम से स्लैश एंड क्राउन एजेन्सी के द्वारा निजी स्कूल के ३०० बच्चों को पक्षियों के घोंसले का वितरण किया गया। गोविंद तिवारी ने बताया की इस मिशन के तहत नए घरों ओर फ़्लैट में पक्षियों के घर बनाने की जगह नहीं होती, इसलिए अगर इनके रहने के लिए मानव निर्मित घोंसले लगाए जाए तो उन्हें पर्यवास मिल सकता है। कार्यक्रम में सुनयना,नंदिनी ओर अजय ने इन विशेष घोंसलों का वितरण किया।

बस ने कावंडियों को मारी टक्कर

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) । नेशनल हाइवे 21 पर डहरा मोड़ के पास एक स्लीपर बस ने कावड़ियों की गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में 7 कावड़िए घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। हादसा रविवार रात करीब 2 बजे का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार भुसावर थाना क्षेत्र के गांव नीबली व मैनापुरा के रहने वाले कावड़िए

पिकअप में सवार होकर सोरों जी से कावड़ लेकर गांव जा रहे थे। जहां नेशनल हाइवे 21 पर डहरा मोड़ के पास रात करीब 2 बजे तेज रफ्तार स्लीपर बस ने कावड़ियों की पिकअप में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 7 कावड़िए गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की तेज आवाज सुन आस पास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और हादसे की सूचना पुलिस को दी, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से सभी घायल कावड़ियों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि गांव नीबली निवासी आलोक (30), मोहन (17), बनैसिंह (35), भरतलाल (40), बाबूलाल (70) और गांव मैनापुरा निवासी विश्वेंद्र सिंह (72), पिंटू (32) घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

शिव के यथार्थ स्वरुप को जानकर जोड़े अपने मन के तार

खुशहाल जीवन के लिए शिव के समीप रह ज्ञान रूपी अमृत का करे रसपान

चमकता राजस्थान

जयपुर। पूरे वर्ष में सावन का महीना परमपिता परमात्मा शिव को याद करने का विशेष महीना माना जाता है। वास्तव में यदि हम शिव के यथार्थ स्वरूप को जानकर उससे अपने मन के तार जोड़ ले अर्थात अपनी मनझबुद्धि को शिव में लगा दे तो सचमुच हमारे जीवन में हमेशा के लिए सावन आ जाएगा। उपरोक्त उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी ने कंकाली माता मंदिर के पास खलियानों की बगीची में स्थित हनुमान मंदिर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य शिव को प्रसन्न करने के लिए जल और बेलपत्र चढ़ा रहे है, व्रत उपवास इत्यादि कर रहे हैं,परंतु इसका वास्तविक अर्थ है जब हम परमपिता परमात्मा शिव

द्वारा दिए गए ज्ञान अमृत की धारा में हम स्वयं को नहलाते है अर्थात ज्ञान को जीवन में धारण करते है तो हमारा मन शांत होता है, बुद्धि निर्मल और संस्कार श्रेष्ठ बन बन जाते है। उन्होंने आगे कहा की शिव को तीन पत्ती वाला बेलपत्र चढ़ाते हैं इसका वात्विक अर्थ

- ब्रह्माकुमारी दीदी ने बताया सावन मास का आध्यात्मिक महत्व

है तन, मन और धन से शिव पर समर्पित हो जाना। अर्थात संपूर्ण समर्पण होना। सावन के इस पवित्र महीने में आंक धतूरे अर्थात अकड़पन, धूर्तपन जैसे संस्कार हमेशा के लिए शिव को अर्पित कर देना है, साथ ही वो बाते भी अर्पित कर देनी है जिसने आपको और आपके परिवार को या अन्य किसी भी व्यक्ति को दुःख मिल रहा है। वास्तव में हमे खुश रहकर खुशी बाटने का दृढ़ संकल्प रूपी व्रत करना है और उपवास से तात्पर्य है उप माना समीप और वास माना रहना इसलिए सदा शिव के समीप रह ज्ञान रूपी अमृत का रसपान कर खुशियों से भरपूर आनंदमय जीवन जीना है।

एसेंट ग्रुप ऑफ़ एजूकेशन सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया वृक्षारोपण कार्यक्रम

- पर्यावरण संरक्षण का दिया सकारात्मक संदेश

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) एसेंट ग्रुप ऑफ़ एजूकेशन सोसाइटी द्वारा सेक्टर 6 रानी लक्ष्मी बाई पार्क जवाहर नगर में आयोजित कर मानव जीवन के लिए अतिआवश्यक पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली का सकारात्मक संदेश दिया कार्यक्रम में शिव प्रसाद संगठन मंत्री विद्या भारती राजस्थान, महेश कलवानी पार्षद वार्ड 95, संस्था के अध्यक्ष गुरजिंदर सिंह गिल सचिव शशीकांत जैन, संस्था कि सदस्य नीता खेतान पूर्व अध्यक्ष नगर निगम, दिनेश छाबड़ा, श्याम खत्री ,नवीन जैन, विजय धनजानी मुकेश, सेक्टर 6 विकास समिति के सभी सदस्य एवं जन सामान्य लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 50 से अधिक सभी तरह के वृक्षों का रोपण किया.एसेंट ग्रुप ऑफ़ एजूकेशन सोसाइटी विगत 20 वर्षों से अनेक सामाजिक कार्यों में है. संस्था ने समाज कल्याण, महिला बाल विकास ,प्रधानमंत्री रोजगार योजना, एस.जे.एस. आर.वाई तथा एम.एस.एम ई अनेक कौशल विकास कार्यक्रम एवं ब्यूटी पार्लर ,कंप्यूटर कोर्सअनेक आदि सामाजिक उद्यान के लिए कार्य किए हैं. संस्था सचिव ने मुख्य अतिथि एवं सभी आगंतु का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया.

चम्बल नदी का जलस्तर बढ़ा, जिला प्रशासन ने जारी की एडवाईजरी

चमकता राजस्थान/धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर, 5 अगस्त 24 को अधीक्षण अभियन्ता केन्द्रीय जल आयोग द्वारा अवगत कराया गया! कि 5 अगस्त को चम्बल नदी का जलस्तर 127.80 मीटर था। जो कि वर्तमान संकेतों के आधार पर बढ़कर 129.79 मीटर चेतावनी स्तर पर पहुचने का अनुमान हैं। इसके बाद भी जलस्तर के बढ़ने की सम्भावना है गौरतलब है कि सोमवार को कोटा बैराज से सुबह 10 बजे 18 हजार 945 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है जिससे चम्बल के जलस्तर में सतत वृद्धि हो रही है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि चम्बल नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी के किनारों पर नहीं जाऐं ना ही पशुओं को ले जाऐं, सुरक्षित स्थानों पर रहें, सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ कार्मिकां को नदी किनारे वाले क्षेत्रों तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में निरन्तर फील्ड विजिट करने हेतु निर्देशित करें!तथा अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाये रखते हुए अपने संसाधनों को क्रियाशील व तैयार रखें। राहत एवं बचाव दल मय बचाव उपकरणों के अलर्ट रहें। किसी भी घटना की जानकारी अविलम्ब उच्च अधिकारी अथवा बाढ़ नियंत्रण कक्ष 05642-220033 पर दिया जाना सुनिश्चित करें।

गुढ़ागौड़जी में जरूरतमंदों को बाटी भोजन सामग्री

सुमेर सिंह राव /उदयपुरवाटी / गुढ़ागौड़जी। सामाजिक संगठन लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की स्थानीय शाखा ने सोमवार को जरूरतमंद परिवारों में भोजन के पैकेट वितरित किए। ट्रस्ट सहप्रभारी तनु सांखला ने बताया कि झुंझुनूं रोड़ स्थित झुग्गी बस्तियों में ट्रस्ट द्वारा 130 भोजन के पैकेट वितरित किए गए। उल्लेखनीय हैं कि सामाजिक संगठन लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से तीन दिवसीय निशुल्क भोजन वितरण का कार्य संपूर्ण शेखावाटी में चलाया जा रहा हैं। इस कार्य के दौरान ट्रस्ट प्रभारी दिनेश सांखला,उपाध्यक्ष हरिराम सैन, बलवीर मांठ,राज बबलू मूंड, समीर,सीमरन दायमा आदि मौजूद रहे।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की कार्रवाई

25 हजार का ईनामी गिरफ्तार : डीग जिले के बहुचर्चित देवी राम मुल्लाका हत्याकांड का है आरोपी

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में मंदिर के बाहर घेर कर पकड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर !(खलील कुरैशी) 5 अगस्त। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने डीग जिले में 3 साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी शिवगणेश उर्फ कंजर गुर्जर पुत्र रामा उर्फ रामचरण निवासी मुल्लाका थाना कामां को पकड़ लिया है। इस पर एसपी डीग द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। आरोपी को अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना कामां पुलिस को सौंप दिया गया है।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में इनामी, वांछित अपराधियों, गैंगस्टर इत्यादि के बारे में आसूचना

के संकलन के लिए एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा, कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा, कुलदीप सिंह व श्रवण कुमार की एक टीम भरतपुर रेंज की और रवाना की गई हैएडीजी एमएन ने बताया कि टीम के सदस्य एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा को सूचना मिली कि हत्याकांड में शामिल 25 हजार का इनामी आरोपी शिव गणेश गुर्जर मध्य प्रदेश के इंदौर में फरारी काट रहा है। सूचना पर इंदौर पहुंच आसूचना को डवलप किया गया। इंदौर के संगम नगर स्थित खड़ा गणेश मंदिर में आरोपी के आने की सूचना मिलने पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी भागने लगा जिसे घेरकर टीम में पकड़ लिया। एमएन ने बताया कि घटना 11 जून, 2021 की है। सुबह गांव से खरीददारी करने कामां की और बाइक लेकर निकले देवी राम गुर्जर निवासी मुल्लाका पर पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रामावतार पुत्र रामप्रसाद पक्ष के 20-22 व्यक्तियों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया और मरा हुआ समझकर हवाई फायर करते हुए गांव आये। गांव में भी फायरिंग की, जिसमें तीन बच्चे व चार अन्य घायल हो गये। गंभीर घायल देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले ही दम तोड़ दिया था।मामले में कुल 21 आरोपी है, जिनमें से 8 आरोपियों को घटना के बाद ही थाना कामां पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और 13 आरोपी फरार हो गये। जिन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया। पिछले डेढ़ महीने में फरार आरोपियों में से 10 आरोपियों को एजीटीएफ व कामां पुलिस ने पकड़ लिया है, बाकी बचे तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में की गई इस संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र शर्मा एवं कांस्टेबल बृजेश कुमार की विशेष भूमिका एवं हेड कांस्टेबल मदन लाल शर्मा, कांस्टेबल श्रवण कुमार व कुलदीप सिंह का सराहनीय सहयोग रहा है।

लोगों की सेहत मोदी सरकार की प्राथमिकता, स्वास्थ्य बजट में 164 प्रतिशत की बढ़ोतरीः नड्डा

नई दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने लोगों के स्वास्थ्य को मोदी सरकार की प्राथमिकता बताते हुए दावा किया है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना भारत में चलाई जा रही है और स्वास्थ्य बजट के आवंटन में भी 164 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर लोकसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार सिर्फ घोषणाएं ही नहीं करती, बल्कि उसे धरातल पर सफल बनाने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम करती है।

विपक्षी दलों के हंगामे के बीच लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी सरकार सक्रिय और प्रतिक्रियाशील रही है। वर्ष 2013-14 में स्वास्थ्य का जो बजट 33,278 करोड़ रुपए था, आज उस बजट को बढ़ाकर 90,958 करोड़ रुपए कर दिया गया गया है। स्वास्थ्य बजट के इस आवंटन में 164 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य के बजट में यह बढ़ोतरी लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को प्राथमिकता देने और भारतीयों नागरिकों की भलाई सुनिश्चित करने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नड्डा ने कहा कि एनडीए की पहली सरकार (अटल बिहारी वाजपेयी सरकार) से पहले देश में एक एम्स था, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान 6 एम्स खोले गए। वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में 22 एम्स को मंजूरी दी गई, जिसमें से 18 ऑपरेशनल और 4 निर्माणाधीन हैं। अपने जवाब के दौरान विपक्षी दलों के हंगामे पर सदन में पलटवार करते हुए नड्डा ने कहा कि राजनीति करनी है तो करिए और सच्चाई सुननी है तो सुनिए।

उन्होंने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर भी निशाना साधते हुए बीमारी से संबंधित आंकड़ों को केंद्र के साथ शेयर नहीं करने का आरोप लगाया। नड्डा ने सदन के माध्यम से देश को यह भी बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत 12 करोड़ परिवार यानी 55 करोड़ से ज्यादा लोगों को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई है। इसके साथ ही 1.73 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। दुनिया के देश भारत के आयुष्मान भारत योजना का अध्ययन कर रहे हैं। सरकार ने आयुष्मान भारत, मुफ्त दवाइयों एवं जांच सुविधाओं सहित स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य सुविधाओं पर जोर देकर आउट ऑफ पॉकेट खर्च को 62 प्रतिशत से कम कर 47.1 प्रतिशत पर पहुंचाया है।

उन्होंने कोविड के संकट काल के दौरान मोदी सरकार द्वारा चलाए गए दुनिया के सबसे बड़े और सफल टीकाकरण अभियान का भी जिक्र करते हुए पिछली सरकारों की तुलना में मोदी सरकार द्वारा तेजी से कामकाज किए जाने का दावा किया। जेपी नड्डा के जवाब के बाद लोकसभा ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी को भेंट की लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज की तस्वीर

केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी की प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी से शिष्टाचार मुलाकात

ई आर सी पी को गति देने, तीर्थराज पुष्कर, तेजाजी धाम सुरसुरा, देवमाली और रामदेवरा में कोरिडोर बनाकर धार्मिक क्षेत्रों के विकास के सम्बन्ध में प्रधानमंत्री के समक्ष रखी मांग

कृषि मंत्रालय के साथ राजस्थान और संसदीय क्षेत्र के कार्यो पर हुई चर्चा

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर/ अजमेर। अजमेर सांसद और केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की किसान कल्याण मंत्री ने इस अवसर पर लोकदेवता तेजाजी महाराज की प्रतिमा भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी को भेंट की। शिष्टाचार मुलाकात के दौरान कृषि मंत्री ने किसान एवं कृषि मंत्रालय से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री से चर्चा हुई। इस अवसर पर अजमेर सांसद के नाते भागीरथ चौधरी ने क्षेत्र के महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी प्रधानमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया है। चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी से आग्रह किया कि पूर्वी राजस्थान नगर परियोजना (ई आर सी पी) राजस्थान प्रदेश के 21 से अधिक जिलों के निवासीयों हेतु पेयजल की इस महत्वपूर्ण परियोजना का कार्य तीव्र गति से हो एवं जल्द ही आपके हाथ से इस योजना का शिलान्यास हो जाए, चौधरी ने महाकाल उज्जैन एवं काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर सृष्टि के रचयिता ब्रम्हा मंदिर-तीर्थराज पुष्कर का पुनर्निर्माण एवं विकास किए जाने हेतु भी आग्रह किया है। कृषि मंत्री ने संसदीय क्षेत्र की दो प्रमुख रेल मार्गो हेतु भी प्रधानमंत्री से आग्रह किया उन्होने पुष्कर - मेडता रेल लाईन की स्वीकृति हेतु प्रधानमंत्री जी का आभार जताया साथ ही उक्त रेल लाईन का कार्य शिघ्रता से पूर्ण हो इस हेतु भी आग्रह किया साथ ही नसीराबाद - केकडी, देवली चौथ का बरवाडा रेलमार्ग का अनुमोदन केबिनेट कमेटी ऑन इकोनोमिक अफेयर्स द्वारा करवाकर उक्त रेलमार्ग की स्वीकृति की भी मांग रखी।

भागीरथ चौधरी ने प्रधानमंत्री को राजस्थान के लोकदेवताओं की स्थली पर आने का आमंत्रण भी दिया और आग्रह किया कि किसानों के आराध्य वीर तेजाजी महाराज की निर्वाण स्थली सुरसुरा, देवनारायण भगवान की निर्वाण स्थली देवमाली और रामदेव जी की निर्वाण स्थली रामदेवरा को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में विकसित कराया जाए। संभाग के सबसे बडे चिकित्सालय अजमेर मेडीकल कॉलेज को एम्स का दर्जा दिया जाए ताकि राजस्थान के हृदय स्थल अजमेर में संपूर्ण राजस्थान एवं दूर-दराज क्षेत्रों के मरीजों का ईलाज समय पर संभव हो सके। अभी हाल ही में कृषि राज्य मंत्री किशनगढ आए तब जैन मुनी सुनील सागर जी महाराज का आशिर्वाद लिया उस समय जैन समाज ने भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण महोत्सव में यशस्वी प्रधानमंत्री को किशनगढ आगमन हेतु कृषि मंत्री को उनकी बात प्रधानमंत्री जी तक पहुंचाने का आग्रह किया इस पर उक्त संदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के समक्ष रखकर महोत्सव में पधारने का आग्रह किया साथ ही किशनगढ अजमेर के मार्बल ग्रेनाईट उद्योग के शोध एवं विकास के दृष्टिगत यहाँ पर केन्द्रीय स्तर का एक रिसर्च इन्स्टीट्यूट की स्थापना की भी मांग रखी।

केन्द्रीय किसान कल्याण मंत्री ने प्रधानमंत्री जी का कृषि एवं किसान कल्याण से सम्बद्ध क्षेत्र के लिए इस बजट में 1.52 लाख करोड रूपये के प्रावधान हेतु आभार व्यक्त किया।

वायनाड लैंडस्लाइड की सबसे पहले जानकारी देने वाली महिला तक नहीं पहुंची मदद, शव मिला

वायनाड/एजेंसी।

● बचावकर्मियों के पहुंचने से पहले ही नीतू जोजो की मौत

केरल के वायनाड में 30 जुलाई को हुए विनाशकारी भूस्खलन के बारे में आपातकालीन सेवाओं को संभवतः सबसे पहले सूचित करने वालीं एक निजी अस्पताल की महिला कर्मचारी नीतू जोजो की बचाव दल के पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। चूरलमाला में विनाशकारी भूस्खलन के बाद घर में फंसे अपने और कुछ अन्य परिवारों के लिए मदद मांगने वाली नीतू की कॉल की रिकॉर्डिंग वायरल हो गई है। रिकॉर्डिंग में उन्हें 30 जुलाई की सुबह में हुई भयावहता का विवरण बताते सुना जा सकता है, जब उनका घर भूस्खलन की चपेट में था। इस कॉल रिकॉर्डिंग में नीतू को यह कहते हुए सुना गया कि पानी उनके घर के अंदर बह रहा है, जो भूस्खलन में बह गई कारों सहित मलबे से घिरा हुआ था। वह कहती हैं कि उनके घर के पास रहने वाले पांच से छह परिवार प्रकृति के प्रकोप से बचकर उनके घर में शरण ले चुके हैं, जो तुलनात्मक रूप से सुरक्षित था। नीतू संभवतः घटना की पहली सूचना देने वालों में से एक थीं, लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें बचाया नहीं जा सका और उनका शव कई दिनों बाद मिला। इस बीच, केरल सरकार ने मुंडक्कई क्षेत्र में हुए भूस्खलन में लापता लोगों की पहचान करने के लिए कदम उठाए हैं, जिसके तहत डीएनए परीक्षण के लिए जीवित बचे लोगों और रिश्तेदारों के रक्त के नमूने एकत्र करना शुरू कर दिया है।

हरियाली तीज पर हरियालो होगा धौलपुर, लगेंगे ढ़ाई लाख से अधिक पौधे, प्रभारी मंत्री बेढ़म करेंगे कार्यक्रम के शिरकत

चमकता राजस्थान/धौलपुर(रामदास तरुण) । धौलपुर 5 अगस्त 24 को मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान 2024 हरियालो राजस्थान एक पेड़ माँ के नाम के कार्यक्रम के संबंध में 7 अगस्त को हरियाली तीज के अवसर पर जिले में 2 लाख 66 हजार पौधे लगाये जायेगें। कार्यक्रम में समस्त जन प्रतिनिधियों, मीडिया कर्मियों, प्र्यावरण प्रेमियों, महिलाओं व छात्राओं, गणमान्य नागरिकों व उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को आर्मंत्रित किया जा रहा है। साथ ही हरियाली तीज के अवसर पर थीम अनुसार सहभागियों को लहरिया जैसे वस्त्रधारण कर कार्यक्रम को सुन्दर बनाने के लिए गरिमामयी ढंग से उपस्थित रहेंगे। जिला स्तरीय पौधारोपण का कार्यक्रम प्रभारी मंत्री जवाहर सिहं बेढ़म की उपस्थिति में प्रातः 8 बजे बुधवार 7 अगस्त को ग्राम बिजौली में आयोजित किया जायेगा। जिला स्तर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा 66 हजार, वन विभाग द्वारा 1 लाख एवं शिक्षा विभाग द्वारा 1 लाख पौधों का पौधारोपण किया जायेगा। एक पेड़ माँ के नाम मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान में सहभागिता के लिए आमजन हरियालो राजस्थान एप डाउनलोड कर पौधारोपण की फोटो अपलोड कर प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा राष्ट्रीय निगमों की विभिन्न ऋण योजनाओं में ऑनलाईन आवेदन 30 सितम्बर

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर, 5 अगस्त 24 को परियोजना प्रबंधक राजस्थान अनुसूचित जाति/जनजाति वित्त एवं विकास निगम धौलपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-2025 में संचालित राष्ट्रीय निगमों की विभिन्न ऋण योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन पत्र 30 सितंबर 2024 तक आमंत्रित किये जा रहे हैं। किन्तु उक्त संचालित ऋण आवेदन पोर्टल में तकनीकी समस्या आने के कारण ऋण आवेदन पत्र पोर्टल पर सम्मिट नही हो रहे हैं! जिस कारण से राष्ट्रीय निगमों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सूरज पोर्टल का संचालन किया जा रहा हैं। जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के 40, सफाई कर्मचारी/स्वच्छकार वर्ग 20, तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 30, व्यक्तियो को स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न व्यवसाय, उधोग एवं सेवा क्षेत्र आदि हेतु किराना दुकान, सिलाई कार्य, भैस व गाय पालन, कपडा दुकान, ऑटोमोवाईल रिपेयरिग, डेयरी, ई-रिक्षा, ऑटो- रिक्षा, टेक्टर मय ट्रोली, जीप टैक्सी, सोलर लाईट आदि हेतु सूरज पोर्टल पर ऑनलाईन ऋण आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। आवेदक की आयु 18 से 60 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा परिवार की वार्षिक आय 3 लाख रूपये से कम होनी चाहिए, उनको 4 से 8 प्रतिषत वार्षिक व्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जायेगा! आवेदक जिले का मूल निवासी होना चाहिए तथा आवेदक पर बैंक अथवा किसी भी वित्तीय संस्था का अवधि पार ऋण बकाया नहीं होना चाहिए। ऋण की वसूली 20 त्रेमासिक किस्तों में की जायेगी। सभी वर्गो के इच्छुक व्यक्ति जनाधार कार्ड या भामाषाह कार्ड, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र जिसमें टोकन नम्बर अकिंत हो, मूल निवास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, 4 पेज वाला आय प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, बैंक पास बुक, अनुभव प्रमाण पत्र आदि मूल दस्तावेजो सहित आवेदक अपनी स्वयं की एस.एस.ओ. आई.डी. एवं अपने निकटतम ई-मित्र पर 30 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं।

अस्पताल बाड़ी का प्रसव कक्ष हुआ लक्ष्य सर्टिफाइड

● मिलेगी 3 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि

चमकता राजस्थान/धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत अस्पताल बाड़ी के एमसीएच विंग स्थित प्रसव कक्ष नेशनल लक्ष्य सर्टिफाइड हुआ है। अभी तक जिले से लक्ष्य सर्टिफाइड होने वाली यह तीसरी संस्था है। इससे पूर्व जिला अस्पताल, धौलपुर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिया लक्ष्य सर्टिफाइड हो चुके हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा ने अस्पताल स्टाफ को बधाई देते हुए बताया कि बाड़ी अस्पताल के प्रसव कक्ष का नेशनल लक्ष्य असेसमेंट केंद्रीय टीम के डॉ. पूनम जैन व डॉ. मृनालिनी उपाध्याय द्वारा विगत 5 जुलाई को किया गया था। प्रसव कक्ष में प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता और रिकार्ड संधारण में लेबर रूम 86 प्रतिशत अंक लाकर नेशनल लक्ष्य सर्टिफाइड हुआ है ।

पीएमओ. डॉ हरिकिशन मंगल ने बताया कि मिलने वाली प्रोत्साहन राशि से प्रसव कक्ष और मैटरनिटी ऑपरेशन थियेटर की सेवाओं में विस्तार के साथ गुणवत्ता आएगी और प्रसूताओं को सेवाएं सुगमता से प्राप्त हो पाएंगी। आगामी एक साल मे मैटरनिटी ओटी को भी लक्ष्य के मानको पर तैयार करना है।

सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता जसवंत खत्री के ख़िलाफ़ यूनाइटेड संवेदक एसोसिएशन का प्रदर्शन

भरतपुर में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुरेंद्र कुमार को,जयपुर में मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव डी आर मेघवाल के नाम दिया ज्ञापन

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (क्वालिटी कंट्रोल)जसवंत खत्री के ख़िलाफ़ युनाइटेड संवेदक एसोसिएशन ने जयपुर में मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव डी आर मेघवाल को तथा भरतपुर में अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुरेंद्र कुमार के नाम ज्ञापन सौंपकर मुख्य अभियंता (क्वालिटी कंट्रोल)जसवंत खत्री द्वारा बेवजह संवेदकों को परेशान करने की शिकायत को लेकर प्रदर्शन किया है !

सोमवार को जयपुर में आए एसोसिएशन के सदस्यों ने अतिरिक्त सचिव के कार्यालय के बाहर खत्री के ख़िलाफ़ नारेबाज़ी की एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि गुमनाम शिकायतों पर भरतपुर,धौलपुर,करौली डीग ज़िलों में खत्री ठेकेदारों को परेशान कर रहे हैं जबकि उनके द्वारा किये गये कार्यों को पाँच वर्ष पूर्ण चुके हैं ,इसी के साथ किसी गुमनाम शिकायत पर कार्रवाई नहीं की जा सकती यह डीओपी का स्पष्ट आदेश है, साथ ही सभी ज़िलों में क्वालिटी कंट्रोल के अधिकारी मौजूद हैं फिर भी खत्री नाजायज़ परेशान करने के लिए दूसरी क्वालिटी कंट्रोल टीमों को भेज कर ठेकेदारों को परेशान कर रहे हैं। खत्री यदि अपनी इन हरकतों से बाज़ नहीं आते हैं तो वे मुख्यमंत्री को उनके ख़िलाफ़ ज्ञापन देकर सरकार की विधानसभा में बजट घोषणा पर कोई भी कार्य नहीं करने का निर्णय लेंगे, साथ ही सरकार की बजट घोषणाओं की निविदाओं में भाग नहीं लेकर कोई भी कार्य नहीं करेंगे।

संवेदकों ने इस बात पर भी रोष प्रकट किया कि पिछले एक वर्ष से उनके कार्यों का भुगतान नहीं किया जा रहा है इससे उन्हें मानसिक तथा आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन खत्री अपनी कार्यशैली से संवेदकों को परेशान करने में लगे हुए हैं

सीएमए कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान

सीएमए यानी कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग एक सर्टिफिकेट कोर्स है। छात्र तीन स्तरों में एक सीएमए एग्जाम पास कर फंडामेंटल्स, इंटरमीडिएट और कंप्लीशन में शामिल हो सकता है। यह विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यताओं में से एक हैं।

सीएमए यानी कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग भारत के इंस्टिट्यूट्स द्वारा प्रदान किए जाने वाला एक प्रोफेशनल कोर्स है। कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी को भारत में बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। इसकी मुख्य ब्रांच कोलकाता में है।

यह एक सर्टिफिकेट कोर्स है। इस कोर्स को 4 पिलर पर बनाया गया है। इसके चार पिलर मैनेजमेंट, रेगुलेटरी फ्रेमवर्क, स्ट्रैटजी और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग है। छात्र तीन स्तरों में एक सीएमए एग्जाम पास कर फंडामेंटल्स, इंटरमीडिएट और कंप्लीशन में शामिल हो सकता है।

क्यों करें सीएमए कोर्स

आपको बता दें कि सीएमए डिग्री वाले उम्मीदवारों को अच्छा वेतन मिलता है। यह उम्मीदवार मैनेजमेंट और फाइनेंस के क्षेत्र में एक्सपर्ट होते हैं। क्योंकि यह विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यताओं में से एक हैं।

सीएमए करने के बाद आपको नौकरी के लिए कई अवसर मिलते हैं। या तो आप नौकरी शुरू कर सकते हैं या फिर मान्यता प्राप्त कंपनियों में शीर्ष पदों पर काम कर सकते हैं।

सीएमए कोर्स

- यह कोर्स 3-4 साल की अवधि का होता है। इसके अलावा यह कोर्स 3 भागों में बाटा गया है।
- सीएमए फाउंडेशन - 8 महीने
- सीएमए इंटरमीडिएट - 10 महीने
- सीएमए फाइनल - 18 महीने

फीस

इन तीनों चरणों की फीस अलग-अलग होती है।

- सीएमए फाउंडेशन की फीस- 4,000
- सीएमए इंटरमीडिएट की फीस- 15 से 20,000
- सीएमए फाइनल की फीस- 18,000

सीएमए कोर्स के लिए टॉप कॉलेज और यूनिवर्सिटी

- आईसीएटी-इमेज कॉलेज ऑफ आर्ट्स एनिमेशन एंड टेक्नोलॉजी
- इंस्टिट्यूट ऑफ कॉ अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई)
- जीईएमएस-गुरुकुल एजुकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज।
- जीवकरण इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- एसएमजेसी-श्री मेधा जूनियर कॉलेज
- जेटविंग्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस
- जीसीईसी जयपुर
- सीएमए कोर्स के लिए विदेश के टॉप कॉलेज और यूनिवर्सिटीज
- आईएमए (इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स), यू.एस
- यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी
- वर्जीनिया यूनिवर्सिटी
- नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी
- विस्कॉन्सिन यूनिवर्सिटी
- बायलर यूनिवर्सिटी
- फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी

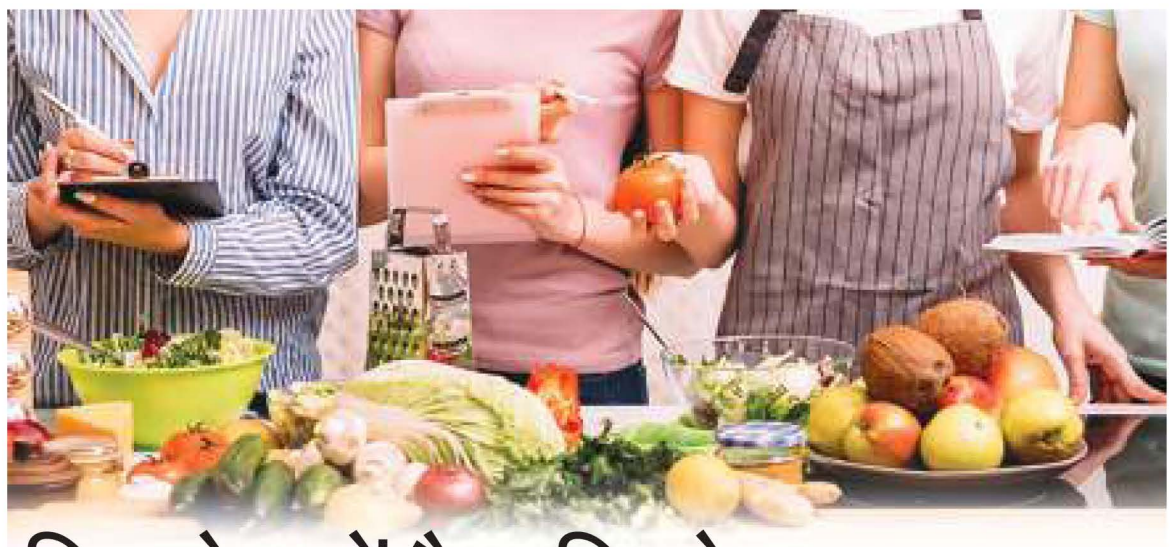

फिटनेस में है रुचि तो न्यूट्रिशन बन चमकाएं अपना कॅरियर, मिलेगी अच्छी सैलरी

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। ऐसे में आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर चमका सकते हैं।

किस व्यक्ति को किस तरह की डाइट लेनी चाहिए, किस खाने में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं। किसी तरह की बीमारी होने पर डाइट में किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे बहुत से सवालों के जवाब यदि आपको पता हैं, या आप इन सवालों के जवाब देने में रुचि लेते है। तो बता दें कि आप डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। या फिर व्यक्ति की जरूरत के अनुसार, डाइट लेना सजेस्ट करते हैं। साथ ही यह वजन बढ़ाने से लेकर कम करने तक में मदद करते हैं।

क्या हैं फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स

यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। या ऐसा भी कहा जा सकता है कि बदलते वक्त के साथ इसकी डिमांड भी बढ़ती जा रही है। लोग जैसे-जैसे अपनी हेल्थ और वेट को लेकर जागरुक हो रहे हैं। वैसे-वैसे न्यूट्रीशनिस्ट भी डिमांड में आते जा रहे हैं। वेलनेस सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ सेंटर, ब्यूटी सेंटर, क्लीनिक से लेकर फिटनेस सेंटर्स तक पर इनकी जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस क्षेत्र में आप का कॅरियर खूब फलेगा-फूलेगा

कोर्स

इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए कैंडिडट का साइंस बैकग्राउंड होना जरूरी है। 12वीं पास करने के बाद छात्र फूड एंड न्यूट्रीशन में BSc और MSc कोर्स किए जा सकते हैं। हायर स्टडीज के लिए आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं। कई यूनिवर्सिटी में यह कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं। इनमें सेलेक्शन लेने के लिए छात्रों को सामान्य तौर पर प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

इन फील्ड में कर सकते हैं काम

इस कोर्स को करने के बाद अपने स्पेशलाइजेशन और रुचि के अनुसार, आप हेल्थ कोच, हेल्थ एजुकेटर एंड कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर, पिडियाट्रिक न्यूट्रीशनिस्ट, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशनिस्ट, क्लिनिकल डायटीशियन, होलिस्टिक न्यूट्रीशनिस्ट, स्पोर्ट्स न्यूट्रीशनिस्ट, कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट आदि के तौर पर प्राइवेट और सरकारी विभागों में काम कर सकते हैं।

कितनी मिलेगी सैलरी

इस फील्ड में सैलरी अनुभव और पद के अनुसार मिलती है। ऐसे बताया जाए तो गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन में आपको 2.50 से 3.50 लाख रुपये तक आप कमा सकते हैं। वहीं प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन में साल के 3 से 5 लाख रुपये तक कमा सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ ही आपकी सैलरी 8 लाख रुपए तक पहुंच सकती है।

नीट की तैयारी के समय इन गलतियों को करने से बचें

नीट में शामिल होने वाले छात्र इस बात का खास ध्यान रखें कि वे तैयारी के दौरान एनसीईआरटी पर ही भरोसा रखें और उसी की मदद से तैयारी करें।

देश की कठिनतम परीक्षाओं में से एक मानी जानी वाली नीट की तैयारी के लिए लाखों छात्र हर साल पूरे लगन और संकल्प के साथ तैयारी करते हैं। जहां कई छात्रों को अपने लक्ष्य में सफलता मिल जाती है वहीं कई छात्र ऐसे भी हैं जिन्हें अपने पहले प्रयास में सफलता नहीं मिलती। लेकिन छात्र अपने पहले अटेम्प्ट में ही नीट में बेहतर रैंक प्राप्त कर सकते हैं बस उन्हें कुछ जरूरी गलतियों को सुधार कर अपनी तैयारी की स्ट्रेटेजी बनानी होगी। आइए जान लेते हैं कि छात्र किन गलतियों को करने से बचे ताकि उन्हें सफल होने से कोई न रोक पाए।

एनसीईआरटी की किताबों को न करें इग्नोर

अक्सर छात्र तैयारी करते समय इतने कंफ्यूज रहते हैं कि वे सप्लीमेंट्री बुक्स को प्रतियोगी परीक्षा के लिहाज से अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं और एनसीईआरटी किताबों को इग्नोर कर देतें। लेकिन अगर आप ट्रेंड देखें तो ज्यादा प्रश्न एनसीआरटी की किताबों से ही पूछे जाते हैं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि तैयारी के समय एनसीईआरटी किताबों को बिल्कुल न इग्नोर करें।

मल्टीपल सोर्स को कहें ना

छात्र तैयारी करते समय ध्यान रखें कि एक विषय के लिए केवल एक ही सोर्स का इस्तेमाल करें। यानी ऐसा बिल्कुल न करें कि एक टॉपिक के लिए थोड़ा इस किताब से और थोड़ा उस किताब से पढ़ लिया। ऐसा करना छात्र की सबसे बड़ी गलती साबित हो सकती है। अगर आप किसी विषय के लिए एनसीईआरटी की किताब का इस्तेमाल कर रहे हैं तो पूरा उसी से पढ़िए।

पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र को न करें इग्नोर

परीक्षा की तैयारी में छात्र सब कुछ अच्छे से पढ़ लेते हैं लेकिन उसकी प्रैक्टिस करना ही भूल जाते हैं। ऐसा करने से आपको विषय की सारी जानकारी तो होती है लेकिन आपको इस बात की जानकारी नहीं होती कि परीक्षा में किस तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं। पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र से आप आइडिया ले सकते हैं कि किन विषयों से प्रश्न पूछे जा रहे हैं और किन विषयों पर अधिक तैयारी की जरूरत है।

टाइम मैनेजमेंट की कमी

छात्र जब भी परीक्षा की तैयारी करते हैं तो टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखने में कोताही बरतते हैं। जब भी आप पढ़ाई करें तो इस बात को ध्यान में रख कर करें कि सभी विषयों को एक समान टाइम देना जरूरी है। अगर आप ऐसा करते हैं तो हर विषय को आप टाइम दे पाएंगे और हर सब्जेक्ट में अच्छे मार्क्स भी मिलेंगे।

इन बहानों से नहीं मिल पाती है करियर में सफलता

कई लोग जल्द से जल्द सफलता पाना चाहते हैं। करियर में तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं और उसके लिए पूरी मेहनत, लगन से कोशिश भी करते हैं। लेकिन ऐसी कौन सी गलतियां हो जाती है कि उन्हें वांछित सफलता नहीं मिलती और करियर ग्रोथ रुक सी जाती है। आइए जानते हैं ऐसे 5 कारण जिससे करियर प्रभावित होता है और आप पीछे रह जाते हैं

खुद को कम आंकना

अक्सर लोग सफलता तो पाना चाहते हैं लेकिन खुद को अंडरएस्टिमेट करते हैं। लोगों के पास एक बहाना होता है कि मैं काबलि नहीं हूं या मेरे पास इस काम को करने की योग्यता नहीं है। इसका मतलब यही है कि या तो वे अपनी योग्यता को बहुत ही कम आंक रहे हैं। या फिर वे उस क्षेत्र में सफल लोगों की योग्यता को बहुत ज्यादा आंक रहे हैं।

किस्मत को कोसना

किस्मत या नसीब को कोसने वाले कैसे आगे बढ़ सकते हैं। अगर आप किसी काम में असफल रहे या जो चाहते हैं नहीं मिल पाया तो वे किस्मत को ही दोष देते हैं। अगर आपकी यह आदत है तो समझ जाइए आप गलत ट्रेक पर है।

समय का रोना

यह एक आम बहाना है जिसे अक्सर लोगों को कहते हुए सुना जा सकता है। आप करना तो बहुत कुछ चाहते हैं लेकिन बस एक ही रोना कि समय नहीं है। अब अगर आप ऐसा ही करते रहे तो समय आपकी मुट्ठी से निकल जाएगा और पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

फेल होने का डर

अगर आप पहले से ही असफल होने का डर मन में लेकर काम करेंगे तो यह सच होना ही है। पहले भी असफल होने के इस बहाने के कारण आगे प्रयास नहीं कर पाते हैं। अगर आप पहले कभी असफल हुए है तो इसका मतलब नहीं कि हर बार होंगे। आपको दोबारा कोशिश करनी चाहिए जब तक कि आप सफल ना हो जाएं।

पहले ही हार मान लेना

यह काम तो बहुत मुश्किल है मुझसे नहीं होगा। अब ये मजेदार बहाना है आगे नहीं बढ़ने का। कभी-कभी हम काम को शुरू किए बिना ही मान लेते हैं कि ये काम मुश्किल है, नहीं होगा। ऐसा कहने से काम और मुश्किल लगने लगता है या शुरू ही नहीं होता। इसलिए मेहनत और लगन से काम करें फिर देखें कि काम कितना आसान हो जाता है।

सीखिए लैपटॉप रिपेयरिंग

लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं।

इस बात में कोई शक नहीं नहीं है कि लैपटॉप आज के समय में हमारे दैनिक जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बैंकिंग व ऑफिस के काम आदि निपटाने के लिए हर व्यक्ति लैपटॉप को प्राथमिकता देता है। कुछ समय पहले तक जहां डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इनसे ज्यादा लैपटॉप को तवज्जो मिलने लगी है, क्योंकि इन्हें इस्तेमाल करना अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक है। ऐसे में लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में भी कॅरियर की नई संभावनाएं पैदा हुई है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर-

स्किल्स- कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के भीतर सीखने की गहन इच्छा होनी चाहिए। इसके अलावा आपको लैपटॉप हार्डवेयर की भी अगर थोड़ी-बहुत जानकारी होगी तो यह आपके लिए अच्छा होगा। इस क्षेत्र में छात्रों में मार्केट में लॉन्च हो रहे नए लैपटॉप व उनकी क्वालिटीज के बारे पता होना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अपडेट होने के साथ-साथ अगर आप भी खुद को अपग्रेड रखते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

कोर्स- लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इनकी अवधि तीन से छह माह तक हो सकती हैं।

संभावनाएं- कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि लैपटॉप रिपेयरिंग कोर्स करने के बाद आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती। दरअसल, आज के समय में लैपटॉप हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है और इसलिए उसकी रिपेयरिंग के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भी बढ़ी है। कोर्स करने के बाद आप लैपटॉप व कंप्यूटर रिपेयर शॉप्स, लैपटॉप सेल्स सेंटर, लैपटॉप शोरूम, लैपटॉप सर्विस सेंटर आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ समय के अनुभव के बाद आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप भी खोल सकते हैं।

आमदनी- इस क्षेत्र में आमदनी मुख्यत: आपके अनुभव और स्किल्स के आधार पर तय होती है। कोर्स करने के बाद आप शुरूआती दौर में 15000 से 20000 रूपए महीना सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी सैलरी में इजाफा होता है। इतना ही नहीं, अगर आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप खोलते हैं तो आपकी मासिक आमदनी हजारों से लेकर लाखों में हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

शेख हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना ने बांग्लादेश छोड़ा, सेना मुख्यालय में हलचल तेज

ढाका। बांग्लादेश में जारी हिंसक प्रदर्शन के बीच सोमवार दोपहर 2:30 बजे एक सैन्य हेलीकॉप्टर ने प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर बंगभवन से उड़ान भरी है। उनके साथ उनकी छोटी बहन शेख रेहाना भी हैं। सूत्रों ने बताया कि वे हेलीकॉप्टर से भारत के पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हुई हैं। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रोथोम अलो ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। बांग्लादेश में इसे तख्ता पलट के रूप में देखा जा रहा है। बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में जारी हिंसक प्रदर्शन के चलते चारों तरफ अराजकता का माहौल बना हुआ है। यह भी बताया जा रहा है किचारों तरफ प्रदर्शन, आगजनी, हिंसा और कर्फ्यू के चलते सेना ने शेख हसीना को देश छोड़ने की सलाह ती। सूत्रों के अनुसार कि शेख हसीना देश छोड़ने से पहले अपना भाषण रिकॉर्ड करना चाहती थीं। पर उन्हें वह मौका नहीं मिला। इसी के साथ बांग्लादेश के सेना मुख्यालय में हलचल तेज हो गई है। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान इस समय बैठक कर रहे हैं। बैठक में जातीय पार्टी के वरिष्ठ सह अध्यक्ष अनीसुल इस्लाम महमूद और पार्टी के महासचिव मुजीबुल हक चुन्नू को आमंत्रित किया गया है। इस बैठक में ढाका विश्वविद्यालय के कानून विभाग के प्रो. आसिफ नजरूल को भी आमंत्रित किया गया है।

तीसरी सोमवारी पर शिव मंदिरों में लगी कतार

अलवर। सावन का तीसरा सोमवार हैं। शहर में सुबह से ही रिमझिम बारिश लगातार हो रही हैं लेकिन बारिश भी भक्तों को मंदिर जाने से नहीं रोक पाई। सुबह से ही भक्त भगवान शिव की पूजा करने मंदिर पहुंचे। लाइन में लगकर अपना नंबर आने पर पूजा अर्चना की। शहर के प्रसिद्ध त्रिपोलिया मंदिर में तो सुबह 4 बजे ही श्रद्धालु पहुंचने लगे। धीरे धीरे मंदिर में श्रद्धालुओं की लम्बी लाइन लग गई। सावन के हर सोमवार को त्रिपोलिया मंदिर सहित अन्य शिव मंदिरों में विशेष सजावट होती हैं। जिसके देखने ओर दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त मंदिर आते हैं। त्रिपोलिया मंदिर के महंत जितेंद्र खेडापति ने बताया कि प्रतिवर्ष होने वाले तीज महोत्सव का कार्यक्रम 6 अगस्त को भार्गव आश्रम दिल्ली दरवाजा बाहर 1 से 4 बजे तक किया जाएगा। समिति की ओर से महिला मंडल द्वारा शाम 6 बजे मां पार्वती को सुहाग पिटारी व लहरिया अर्पित किया जाएगा।

विभिन्न प्रजाति के 151 पौधों का किया रोपण

हरिद्वार। भाजपा के वरिष्ठ नेता व लक्सर के पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने सोमवार को कनखल क्षेत्र में जगजीतपुर रोड तथा दक्ष मंदिर परिसर में वृहद स्तर पर ग्रामीणों संग पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न प्रजाति के 151 पौधों का रोपण किया। संजय गुप्ता ने कहा कि यदि पर्यावरण सुरक्षित है तो मानव भी सुरक्षित है। पेड़ों के कटान के कारण ही आज हमें पर्यावरण असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है। तापमान का बढ़ना भी इसी का परिणाम है। उन्होंने बेहतर कल के लिए पौधरोपण को आवश्यक बताया।

बस अनियंत्रित होकर पलटी, कई यात्री घायल

सीहोर। सीहोर जिले में भोपाल से रेहटी जा रही गुप्ता ट्रैवल्स की बस सोमवार को अनियंत्रित होकर पलट गई। बस 4 बार पलटी। इस हादसे में 40 से ज्यादा यात्री घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस और अन्य वाहनों की मदद से अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है। जानकारी अनुसार घटना देलावाड़ी घाट की है। बताया जा रहा है कि गुप्ता ट्रैवल्स की बस भोपाल से रेहटी की ओर जा रही थी। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। देलावाड़ी घाट पर बस अचानक अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गई। जिससे सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में लगभग 40 यात्री घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही आनन-फानन में घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और घायलों को बस से बाहर निकाला।

अज्ञात कारणों के चलते युवक की मौत

राजगढ़। खिलचीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जैतपुराकला में रहने वाले 35 वर्षीय युवक की सोमवार सुबह राजगढ़ जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई, परिजनों ने सर्पदंश से मौत होना बताई है। युवक की मौत किन हालातों के चलते हुई, इसका वास्तविक खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार ग्राम जैतपुरा कला निवासी 35 वर्षीय बालूसिंह पुत्र मांगीलाल दांगी की जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि युवक की मौत सर्पदंश से हुई है।

किसान सम्मान निधि जैसी योजना कांग्रेस ने कभी नहीं बनाई : शिवराज

नई दिल्ली। एजेंसी

- सम्मान योजना के कारण किसान स्वावलंबी व सशक्त हुआ है
- किसानों के लिए ऋण संबधित बाधाओं से मुक्त किया है
- कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया है

राज्यसभा में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना पर चर्चा करते हुए सोमवार को एक बार फिर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस को घेरा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों की प्रत्यक्ष सहायता तो की लेकिन किसान सम्मान निधि जैसी योजना कांग्रेस ने कभी नहीं बनाई बल्कि किसानों पर गोलियां चलवाईं, इसमें कई किसान मारे गए।

केंद्रीय मंत्री कांग्रेस के सदस्य रणदीप सुरजेवाला के सवालों का जवाब दे रहे थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने आगे कहा कि किसानों के हित में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना बनाई। उन्होंने कहा कि यह राशि भले ही छह हजार रुपये हो, लेकिन जो लघु किसान, छोटे किसान व सीमांत किसान हैं, उनके लिए छह हजार रुपये मायने रखते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार किसानों को आदान के लिए को छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करने के लिए छोटी राशि की जरूरत पड़ती थी। जब पैसा नहीं होता था तब उसे ऊंची ब्याज की दरों पर लेने पड़ते थे। इस सम्मान योजना के कारण किसान स्वावलंबी व सशक्त हुआ है। किसान का सम्मान भी हुआ है। ये (कांग्रेस) किसान का सम्मान भी नहीं देख सकते।

राज्यसभा में अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक स्वतंत्र अध्ययन के अनुसार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत वितरित धनराशि ने ग्रामीण आर्थिक विकास उत्प्रेरक का काम किया है। किसानों के लिए ऋण संबधित बाधाओं से मुक्त किया है। कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ाया है। जोखिम लेने की क्षमता को भी बढ़ाया है, जिससे वे कृषि क्षेत्र में संभावित क्षेत्र से अधिक उत्पादक निवेश करने में सक्षम हुए हैं।

इस बीच कांग्रेस के सदस्यों द्वारा बार बार व्यवधान डाले जाने पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रुखे स्वर में कहा कि अलग अलग राज्यों में कांग्रेस की सरकार में इनके हाथ किसानों के खून से सने। उन्होंने कहा कि 1986 में जब कांग्रेस की सरकार बिहार में थी, तब 23 किसानों की मौत गोलाबारी से हुई थी। 1988 में दिल्ली में श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर किसानों पर गोली चलाई गई, इसमें दो किसान मारे गए। 1988 में मेरठ में किसानों पर फायरिंग की 5 किसान मारे गए। 23 अगस्त 1995 हरियाणा में गोली चलाई छह किसान मारे गए। 12 जनवरी 1998 में मुलताई में किसानों पर गोली चली, इन दिनों कांग्रेस की सरकार थी। इसमें 24 किसान मारे गए। आंध्रप्रदेश में 2010 में दो किसान मारे गए। 8 मई उत्तरप्रदेश के नोएडा में चार किसानों की गोली से मौत हुई।

इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 15 अगस्त पर प्रधानमंत्री के भाषणों को भी पढ़ा। उन्होंने आगे कहा कि दुख व तथ्य के साथ बता रहा हूं कि कांग्रेस की प्राथमिकता किसान नहीं है। उन्होंने स्व.पंडित जवाहरलाल नेहरू के भाषणों का उल्लेख करते हुए कहा कि 1947 व 1948 के बाद उनके भाषण में किसान शब्द नहीं आया उन्होंने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी के भाषणों में कभी भी पालिसी की बात नहीं की। राजीव गांधी की भी प्राथमिकता किसान नहीं रहे।

लोधेश्वर मंदिर में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

बाराबंकी। सावन मास के तीसरे सोमवार पर बाराबंकी जिले के प्रसिद्ध शिवतीर्थ लोधेश्वर मंदिर महादेवा में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दर्शन करने आए श्रद्धालुओं की कई किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है। शिवभक्त अपनी श्रद्धा एवं आस्था लेकर कई जनपदों से आए हैं। तीसरे सोमवार को तीन बजे तक करीब दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर पूजन अर्चन किया है। लोधेश्वर महादेव में रविवार की शाम से ही चप्पे- चप्पे पर पुलिस के जवान पहरा दे रहे थे। एसडीएम पवन कुमार, सीओ आलोक पाठक मेले में घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे है। मंदिर के अंदर की कमान थाना प्रभारी रत्नेश पांडेय व महादेवा चौकी प्रभारी संतोष त्रिपाठी स्वयं अपने हाथों में लिए हुए हैं। मेला परिसर में कई जगह एलईडी स्क्रीन, सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन कैमरों से सुरक्षा निगरानी की जा रही है। पार्किंग, प्रकाश, पेयजल की व्यवस्था में हर विभाग लगा हुआहै। देर शाम तक श्रद्धालुओं का महादेवा आना जारी रहेगा।

बचाव दलों को सुन्नी डैम के पास मिले दो और शव

शिमला। शिमला जिला के रामपुर क्षेत्र के समेज में बादल फटने के बाद लापता लोगों की पांचवें दिन भी तलाश जारी है। बचाव दलों ने सोमवार को सुन्नी डैम के समीप डोगरी से दो शव बरामद किए हैं। दोनों शव क्षत-विक्षत अवस्था में बरामद किए हैं और इनकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। इसमें एक शव करीब 14 वर्षीय लड़की और दूसरा शव पुरुष का है। शिमला के अतिरित उपायुक्त अभिषेक वर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लड़की का शव सही हालात में है। वहीं पुरुष का शव क्षत विक्षत है औ? दोनों की पहचान नहीं हो पा रही है। कुल्लू प्रशासन को भी इसके बारे में सूचना दे दी गई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी सुन्नी के लिए भेज दिया गया है। इससे पहले बचाव दलों ने रविवार सांय रामपुर में सतलुज नदी किनारे दो पुरूषों के शव बरामद किए थे। दोनों शव घटनास्थल से 14 किलोमीटर दूर नोगली के पास डकोलढ में मिले। दोनों अज्ञात शव भी क्षत-विक्षत अवस्था में हैं। शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप के अनुसार बाढ़ प्रभावित समेज के आसपास के 85 किलोमीटर तक के क्षेत्र में तेज गति सर्च आपरेशन जारी है।

ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, अमेरिका ने अपने नागरिकों से फौरन लेबनान छोड़ने को कहा

- निलंबित की इजराइल के लिए फ्लाइट

वाशिंगटन। एजेंसी

अब तक हमास के आतंकवादियों से लोहा ले रहे इजराइल को अब कुख्यात आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह से आर-पार की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। मध्य पूर्व में गहराते संकट और व्यापक संघर्ष की आशंका के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने इजराइल से आने-जाने वाली उड़ानें निलंबित कर दी हैं। ईरान, लेबनान और हिजबुल्लाह के प्रतिशोध को देखते हुए इजराइल के लिए फ्लाइट निलंबित करने वाले ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस और अमेरिका ने एक और कठोर निर्णय लिया है। इन देशों ने अपने नागरिकों से तुरंत लेबनान छोड़ने का आग्रह किया है।

यह कदम इस सप्ताह की शुरूआत में बेरूत में एक वरिष्ठ हिज्बुल्लाह कमांडर और तेहरान में हमास के राजनीतिक नेता की हत्याओं के बाद उठाया गया। एक इजराइली अधिकारी का कहना है कि हजारों इजराइली नागरिक घर आने में असमर्थ हैं। इस बीच इजराइल और हिजबुल्लाह ने कल एक-दूसरे के क्षेत्र में लक्षित गोलीबारी की है।

गाजा में फिलिस्तीनी आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसी और फिलिस्तीनी समाचार आउटलेट के अनुसार, गाजा शहर में आश्रय के रूप में काम कर रहे एक स्कूल पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम 30 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा के एक प्रवक्ता ने कहा है कि पीड़ितों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे।

पिछले चार दिनों में किसी स्कूल पर यह तीसरा हमला है। इजराइल ने कहा कि उसने हमास के कमांड और नियंत्रण केंद्रों को निशाना बनाया है। अखबार का कहना है कि हमास के खिलाफ इजराइल का गाजा पट्टी में अब तक का सबसे घातक युद्ध है। हमास अब गाजा और उसके बाहर नए लड़ाकों की भर्ती कर रहा है।

भारत ने नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए पांच हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए

काठमांडू। एजेंसी

भारत सरकार ने नेपाल के लोअर अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए सतलज जल विद्युत निगम को 5 हजार करोड़ रुपये निवेश की अनुमति दी है। इसके निर्माण के लिए नेपाल सरकार ने सतलज जलविद्युत निगम को जिम्मेदारी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 669 मेगावाट क्षमता वाले लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना के लिए सतलज जल विद्युत निगम (एसजेवीएन) को 5,792 करोड़ रुपये निवेश की अनुमति दी है। इस बारे में जानकारी देते हुए नेपाल में रहे एसजेवीएन नेपाल के सीईओ अरुण धीमान ने बताया कि भारत सरकार ने नेपाल के लोअर अरुण के लिए निवेश की अनुमति को स्वीकृत कर दिया है। 669 मेगावाट लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना का निर्माण अगले पांच वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रोजेक्ट नेपाल के संखुवासभा जिले के मकालु गांवपालिका में बनाया जाएगा। इसकी चार इकाइयां होंगी। प्रत्येक इकाई की क्षमता 167.25 मेगावाट होगी। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पिछले कार्यकाल अर्थात 29 जनवरी 2021 को उनकी अध्यक्षता में आयोजित निवेश बोर्ड की 46वीं बैठक में लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना का निर्माण भारत के सतलुज जलविद्युत निगम को सौंपने का निर्णय लिया गया था। सतलुज को सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल (निर्माण, स्वामित्व, संचालन और ट्रांसफर-बूट) के तहत बनाने के लिए चयनित किया गया था। गौरतलब है कि एसजेवीएन के तरफ से ही 900 मेगावाट का अरुण 3 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट भी बनाया जा रहा है।

बुंदेलखंड शौर्य की धरती है :महेश

झांसी। एजेंसी

प्रख्यात साहित्यकार महेश कटारे ने कहा कि बुंदेलखंड में कविता यानी काव्य का प्रभाव बहुत ज्यादा है। बुंदेलखंड काव्य की अनुपम धरती है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में आयोजित हिंदी की राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा कि यह बुंदेलखंड शौर्य की धरती है। शौर्य का वर्णन जितनी खूबसूरती से काव्य में किया जा सकता है उतना अन्य विधा में नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी की चिंताओं को देखते हुए साहित्य में नए उद्योग करने ही पड़ेंगे।

श्री कटारे ने कहा कि कविता लिखना आसान नहीं है। उन्होंने मुल्ला नसरुद्दीन की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा कि हम अपनी खोई हुई चीजों को ढूंढ़ने के लिए साहित्य में जाते हैं। उन्होंने जगनिक और फणीश्वरनाथ रेणु की रचनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज बुंदेली में बहुत प्रभावी लेखन किया जा रहा है। उन्होंने डा वृंदावन लाल वर्मा के गांव की मौजूदा दशा और उनके साहित्यिक खूबियों की भी चर्चा की। जो सोच नहीं पाता है वो चूहा बन जाता है।

एकेडेमी, प्रयागराज, हिंदी विभाग, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, बीयू और राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त महाविद्यालय, चिरगांव के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन आधुनिक हिंदी साहित्यकार साहित्यकार विकास में बुंदेलखंड का योगदान, हिंदी साहित्य की विकास यात्रा और बुंदेली भाषा एवं साहित्य विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता डा. आद्या प्रसाद द्विवेदी ने की। डा. द्विवेदी ने कहा कि लोक साहित्य ने हिंदी साहित्य को बहुत प्रभावित किया है। रामचरित मानस में लोक शब्द 27 बार आया है। उन्होंने कहा कि यदि साहित्य को लोक से विलगित कर दिया तो वह थोथा रह जाएगा। उन्होंने बताया कि उन्हें डा वृंदावन लाल वर्मा से रू ब रू होने का सौभाग्य मिला। उनसे मृगनयनी पर भी सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि मृगनयनी में भी लोक बार बार आया है। उन्होंने समाज में मोबाइल की बढ़ती लत पर भी चिंता जताई।

सरकारी विभागों में किसानों का अपमान नहीं होगा सहन : सुभाष

यमुनानगर। एजेंसी

बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों के साथ हो रहे अभद्र व्यवहार के विरोध में किसानों ने अधीक्षक अभियंता के कार्यालय पर धरना दिया। सोमवार को भाकियू (टिकैत)के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने बताया कि बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता। उसी के विरोध में आज उनके संगठन के जिले के हर खंड से पदाधिकारी अधीक्षक कार्यालय पर धरना देने पहुंचे। उन्होंने कहा कि किसान परेशान हैं, विभाग में किसानों के साथ बदतमीजी होती है। उसी रोषवश अधीक्षक अभियंता कार्यालय का गेट एक घंटे तक बंद रखा गया। उन्होंने बताया कि किसानों के ट्यूबवैलों के पिछले लगभग एक वर्ष पहले के कनेक्शन आज तक नहीं दिए गए। वहीं 10 हॉर्स पावर की मोटर वाले किसानों को जबरन सोलर का कनेक्शन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों के लिखित 10 मुद्दों पर भी अधिकारियों के साथ बातचीत हुई। अधीक्षक अभियंता पुनीत कुमार ने कहा कि किसानों को कहीं कोई भी परेशानी नहीं आने दी जाएगी। गुर्जर ने उप मंडल अभियंता सुमित ढांडा की शिकायत करते हुए कहा कि किसानों के प्रति अधिकारी का व्यवहार ठीक नहीं।

पानीपत में डॉन बनने की होड़ में दोस्त बना हत्यारा

चंडीगढ़। पानीपत में इलाके का डॉन बनने की होड़ में दो दोस्तों के बीच ठनी लड़ाई में एक ने दूसरे की ब्लेड से गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जीआरपी थाना पुलिस को दी शिकायत में विशाल ने बताया कि वह महावीर कॉलोनी का रहने वाला है। उसका मझला भाई राजू मोबाइल की दुकान पर काम करता था। कुछ दिन पहले राजू ने उसे बताया था कि कॉलोनी का ही रहने वाला राजन उसे कहता है कि वह यहां का डान है। राजू और राजन में इलाके का डॉन होने को लेकर कई बार झगड़ा और कहासुनी हो चुकी है। विशाल के अनुसार राजन इस बात की रंजिश मानते हुए राजू को लगाकर धमकियां दे रहा था। रविवार देर रात राजू अपनी मां उर्मिला से कुछ देर में आने की बात कहकर घर से निकला था। विशाल भी रेलवे पार्क में रात को घूमने गया तो वहां राजू और राजन में झगड़ा हो गया।

आस्था | श्रद्धाओं ने भगवान शिव की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की

तीसरी सोमवारी को शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिद्वार। एजेंसी

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को तीर्थनगरी के सभी शिवालयों में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धा का सैलाब उमड़ा। श्रद्धाओं ने भगवान शिव की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। भीड़ को देखते हुए सभी शिवालयों में सुरक्षा के पुलिस प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

अल सुबह से ही तीर्थनगरी के सभी प्रमुख शिवालयों में भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था। शिवालयों के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिली। तीर्थनगरी के कनखल स्थित भगवान शिव की ससुराल कहे जाने वाले दक्षेश्वर महादेव मंदिर व विल्वकेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इसके अलावा दरिद्रभंजन, दुःखभंजन, तिलभाण्डेश्वर, गौरीशंकर, नीलेश्वर, जनमासा मंदिर समेत तमाम शिवालयों में भारी भीड़ रही।

हर हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

महोबा। एजेंसी

श्रावण मास में बुंदेले भोले की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं मंदिरों शिवालयों में भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। आज सावन के तीसरे सोमवार को सभी जगह भक्तिमय माहौल नजर आ रहा है और लोगों के द्वारा मंदिरों के साथ-साथ घरों में भी धार्मिक अनुष्ठान कराए जा रहे हैं।

जनपद मुख्यालय समेत पूरे जिले में माहौल भक्तिमय हो रहा है और सावन के आज तीसरे सोमवार को मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिली है जहां भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर अपने-अपने घर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की है। जनपद मुख्यालय स्थित श्री बलखंडेश्वर महादेव , श्री कंठेश्वर महादेव , श्री पठेश्वर महादेव ,श्री रामेश्वर महादेव के साथ सभी शिवालियों में भक्त भोले की आराधना करते हुए नजर आए हैं । मुख्यालय के रामकुंड स्थित श्री उमगेश्वर द्वादश ज्योतिर्लिंग महादेव मंदिर के पुजारी शिवकिशोर पांडेय ने बताता कि इस श्रावण मास में पांच सोमवार पड़ रहे हैं। भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित करने मात्र से ही लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। आज भक्तों के द्वारा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया गया है। इसके साथ ही नगर में लोगों के द्वारा घरों में अखंड रामायण पाठ सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान विधि विधान से किए जा रहे हैं।

आपदा से निपटने के लिए विभाग आपसी सामंजस्य से काम करें: डॉ. दानू

गोपेश्वर। एजेंसी

चमोली जिले के देवाल के क्षेत्र प्रमुख डॉ. दर्शन दानू की अध्यक्षता में सोमवार को दैवीय आपदा से निपटने को लेकर विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र प्रमुख ने सभी विभागों से आपसी सामंजस्य के साथ आपदाओं से निपटने के लिए कार्य करने को कहा।

क्षेत्र प्रमुख डॉ. दर्शन दानू ने कहा कि वर्तमान में भारी बारिश के कारण दैवीय आपदाएं आ रही हैं। दैवीय आपदा में कम से कम नुकसान हो और लोगों की परेशानियों को कम किया जाए, इसके लिए सभी विभागों को आपसी सहयोग से कार्य करना होगा। इसके लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी अति आवश्यक है। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने बताया कि वर्तमान में क्षेत्र की जनता सबसे ज्यादा सड़कों के अवरुद्ध होने से परेशान है। साथ कई संपर्क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। इससे गांवों का संपर्क कटा हुआ है। आवश्यक है कि सड़कों की हालत में सुधार करते हुए लोगों की परेशानियों को कम किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में थराली-देवाल-लोहाजंग-वाण मोटर मार्ग, देवाल-खेता मोटर मार्ग तथा देवाल-घेस-हिमनी मोटर मार्ग सहित सम्पर्क मार्गों के बार-बार अवरुद्ध होने से लोगों की परेशानी बढ़ी है।

संक्षिप्त खबरें

कर्फ्यू के कारण क्रिकेट टीम प्रभावित

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए बांग्लादेश की तैयारियों को झटका लगा है क्योंकि देश में चल रहे राजनीतिक संकट के कारण उनके निर्धारित प्रशिक्षण सत्र बाधित हुए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अधिकारियों ने क्रिकबज को बताया कि उन्हें यकीन नहीं है कि वे अगले अभ्यास सत्र की तारीख की घोषणा कब कर सकते हैं क्योंकि सरकार ने अनिश्चित काल के लिए देशव्यापी कर्फ्यू की घोषणा की है। बांग्लादेश को 17 अगस्त को दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान जाना है, जो आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। सीरीज का पहला टेस्ट 21-25 अगस्त को रावलपिंडी में खेला जाएगा। कराची 30 अगस्त से 3 सितंबर तक दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। बीसीबी के एक अधिकारी ने क्रिकबज से कहा हमें नहीं पता कि हम अभ्यास कब कर पाएंगे।

बेल्जियम ने मिश्रित रिले से नाम वापस लिया

पेरिस। बेल्जियम की ओलंपिक समिति ने रविवार को घोषणा की कि वह पेरिस 2024 ओलंपिक में मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से अपनी टीम को हटा लेगी। बेल्जियम ने यह फैसला सीन नदी में तैरने वाले अपने एक प्रतियोगी के बीमार पड़ने के कारण किया है। बेल्जियम ओलंपिक और इंटरफेडरल कमेटी ने एक बयान में कहा कि क्लेयर मिशेल, जिन्होंने बुधवार को महिलाओं की ट्रायथलॉन में भाग लिया था दुर्भाग्य से बीमार हैं और उन्हें प्रतियोगिता से हटना होगा। मिश्रित रिले ट्रायथलॉन सोमवार को होने वाला है, प्रतियोगिता का तैराकी भाग भी सीन में होना है। बयान में मिशेल की बीमारी के बारे में विस्तार से नहीं बताया गया है, लेकिन यह नदी के पानी की गुणवत्ता पर चिंताओं के बाद आया है। आयोजकों ने कहा था कि नदी में बैक्टीरिया का स्तर उस स्तर पर था जिसे एथलीटों के लिए सुरक्षित माना जाता था।

डूरंड कप महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है : खालिद जमील

जमशेदपुर। स्टील सिटी जमशेदपुर में इंडियन ऑयल डूरंड कप के 133वें संस्करण की शुरूआत हो चुकी है, इस बार घरेलू टीम जमशेदपुर एफसी ने अपने शुरूआती दो मुकाबलों को जीतकर खुद को खिताब के दावेदारों में से एक घोषित कर दिया है। एआईएफएफ मेन्स कोच ऑफ द ईयर 2023-24 खालिद जमील की अगुआई में रेड माइनर्स ने अब तक पांच गोल किए हैं और सिर्फ एक गोल खाया है। अपनी टीम के अब तक के प्रदर्शन को लेकर कोच खालिद ने कहा ग्रुप स्टेज में अभी भी हमारा एक गेम बचा है और हम उस गेम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमें गेम जीतने और ग्रुप स्टेज को पूरे अंकों के साथ खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने ग्रुप स्टेज में जमशेदपुर एफसी के अंतिम प्रतिद्वंद्वी इंडियन आर्मी एफटी के खिलाफ मैच को लेकर कहा हम उनकी ताकत और कमजोरियों का विश्लेषण करेंगे। वे बहुत फिट और शारीरिक रूप से मजबूत टीम हैं।

पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प का निधन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प का लंबे समय से बीमारी से पीड़ित होने के बाद सोमवार को 55 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 55 साल की उम्र में थोर्प के निधन से क्रिकेट जगत को झटका लगा है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान में उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। ईसीबी ने एक बयान में कहा हमें यह खबर साझा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है। ग्राहम के निधन पर हमें जो गहरा सदमा लगा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक होने के अलावा, वह क्रिकेट परिवार के एक प्रिय सदस्य थे और दुनिया भर के प्रशंसक उनका सम्मान करते थे। बयान में आगे कहा गया उनकी कुशलता पर कोई सवाल नहीं था।

पेरिस ओलंपिक: भारतीय महिला टीम टेबल टेनिस स्पर्द्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस। एजेंसी

ओलंपिक में पदार्पण कर रही भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में रोमानिया को 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच से शुरूआत की, जिसमें उन्होंने अदीना डायकोनू और एलिजाबेटा समारा को 11-9, 12-10, 11-7 से हराया।

इसके बाद मनिका बत्रा ने बनार्डेट स्जोक्स के खिलाफ सीधे गेम में 11-5, 11-7, 11-7 से जीत दर्ज की और भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, श्रीजा अकुला तीसरे मैच में समारा से 11-8, 4-

11, 11-7, 6-11, 8-11 से हार गईं, जिससे मुकाबला चौथे गेम तक खिंच गया। इसके बाद अर्चना को स्जोक्स के खिलाफ 5-11, 11-8, 7-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा। निर्णायक मैच में मनिका ने डायकोनू पर 11-5, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की और भारत को 3-2 से जीत दिलाकर अंतिम 8 में पहुंचा दिया। रत का अगला मुकाबला संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी के बीच होने वाले राउंड ऑफ 16 के मैच के विजेता से होगा। अंतिम-आठ का मैच मंगलवार को होगा।

नोआह लाइल्स ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण

पेरिस। एजेंसी

संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के नोआह लाइल्स ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में रविवार देर रात पुरुषों की 100 मीटर दौड़ के फाइनल में स्वर्ण पदक जीता। लाइल्स को अपने करियर की सबसे बड़ी रेस में कुछ खास करने की जरूरत थी। उन्होंने अपने चरम का फायदा उठाया और स्टेड डी फ्रांस में खचाखच भरी भीड़ के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नोआह ने 9.784 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। वह दिग्गज उसैन बोल्ट के 9.63 सेकंड के

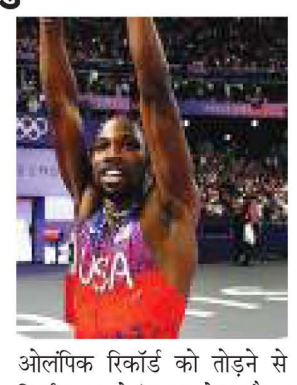

ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ने से सिर्फ 0.16 सेकंड दूर थे। जमैका के किशन थॉम्पसन ग्रीष्मकालीन खेलों के इतिहास में सबसे करीबी 100 मीटर दौड़ में से एक में एक सेकंड के अंश से पीछे रहने के बाद रजत पदक से संतुष्ट हुए। नोआह के हमवतन फ्रेड केर्ली ने 9.81 सेकंड के अपने सीजन के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता। अपनी जीत के बाद, नोआह 2004 में जस्टिन गैटलिन के 100 मीटर दौड़ में पोडियम के शीर्ष पर आने के बाद स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले अमेरिकी एथलीट बन गए। एथलीटों को नतीजों के लिए कुछ समय तक इंतजार करना पड़ा क्योंकि इस स्पर्धा में भाग लेने वाले सभी आठ धावकों के बीच स्वर्ण पदक के लिए बहुत कम अंतर था।

नेपाल ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए घोषित की प्रारंभिक टीम

नई दिल्ली। एजेंसी

नेपाल ने आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए अपनी प्रारंभिक टीम घोषित कर दी है। अगले महीने होने वाली इस श्रृंखला में कनाडा और ओमान दो अन्य टीमें हैं। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला की तैयारी के लिए 22 खिलाड़ियों की टीम एक बंद प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेगी। हाल ही में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप और इस साल की पिछली लीग 2 त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेने वाले अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है। हालांकि, कुछ उल्लेखनीय खिलाड़ी टीम से बाहर हैं। जून में टी20 विश्व कप के लिए यूएसए और कैरेबियाई दौरे पर गए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रैटिस जीसी और ऑलराउंडर अविनाश

बोहारा को टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, पवन सर्राफ इस साल की शुरूआत में नेपाल के लीग 2 अभियान में योगदान देने के बाद चोट के कारण बाहर हैं। उनकी जगह नेपाल ए के लिए खेलते हुए शानदार फॉर्म दिखाने वाले ऑलराउंडर बसीर अहमद को टीम में जगह मिली है। अन्य नए खिलाड़ियों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रिजन ढकाल, तेज गेंदबाज कमल सिंह ऐरी और युवा आकाश चंद शामिल हैं, जो सभी त्रिकोणीय श्रृंखला में खेलने के लिए दावेदार हैं।

नेपाल वर्तमान में लीग 2 स्टैंडिंग में इस साल की शुरूआत में नामीबिया और नीदरलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेले गए चार मैचों में से केवल एक जीत के साथ छठे स्थान पर है। कनाडा लीग 2 में शीर्ष टीमों में से एक है, जिसने इस साल की शुरूआत में

नेपाल की प्रारंभिक टीम इस प्रकार है :-

रोहित पौडेल (कप्तान), कुशल भुर्टेल, आसिफ शेख, अनिल साह, देव खनाल, भीम सार्की, आरिफ शेख, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, अर्जुन सऊद, सोमपाल कामी, करण केसी, गुलसन झा, कमल सिंह ऐरी , रिजन ढकाल, संदीप लामिछाने, ललित राजबंशी, सूर्या तमांग, बसीर अहमद, आकाश चंद, सागर ढकाल, संदीप जोरा।

चार जीत के साथ अजेय रिकॉर्ड कायम किया है। पांचवें स्थान पर ओमान है, जिसने भी चार मैच खेले हैं।

आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला नेपाल के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य लीग 2 में अपनी स्थिति में सुधार करना और भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए बेहतर स्थिति सुरक्षित करना है।

किरण पहल 400 मीटर स्पर्द्धा में सातवें स्थान पर रहीं

पेरिस। एजेंसी

भारतीय एथलीट किरण पहल सोमवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक 2024 में महिलाओं की 400 मीटर स्पर्द्धा के पहले दौर में हीट 5 में सातवें स्थान पर रहीं। किरण ने स्टेड डी फ्रांस में 52.51 सेकंड का समय निकाला और अपनी हीट में सातवें और कुल मिलाकर 39वें स्थान पर रहीं। हालांकि किरण होने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रहीं, लेकिन उनके पास पदक जीतने का मौका होगा क्योंकि वह सोमवार को रेपेचेज राउंड में भाग लेंगी। महिलाओं का 400 मीटर रेपेचेज राउंड भारतीय समयानुसार दोपहर 2:50 बजे निर्धारित है। विशेष रूप से, जेसविन एल्ड्रिन चल रहे पेरिस ओलंपिक में रविवार को स्टेड डी फ्रांस में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में क्वालीफिकेशन मार्क को पार

करने में विफल रहे। एल्ड्रिन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास और ग्रुप बी पुरुषों की लंबी कूद योग्यता में तीन में से उनकी एकमात्र सफल छलांग, 7.61 मीटर, उन्हें स्पर्धा के फाइनल में केंद्र में लाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। एल्ड्रिन ने ग्रुप बी में 16 में से 13वां स्थान हासिल किया। वह 8.15 मीटर के योग्यता मानक को पार करने में विफल रहे। उनका प्रयास दोनों समूहों के शीर्ष 12 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं में स्थान पाने में उनकी मदद करने के लिए पर्याप्त नहीं था।

एन से यंग एकल में स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी दक्षिण कोरियाई बनीं

पेरिस। एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एन से यंग ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में चीन की ही बिंगजियाओ को हराकर महिला एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया है। पोर्टे डे ला चैपल एरिना में खेले गए फाइनल मुकाबले में यंग ने बिंगजियाओ को 21-13, 21-16 से हराकर ओलंपिक बैडमिंटन में एकल स्वर्ण पदक के लिए दक्षिण कोरिया के 28 साल से चले आ रहे लंबे इंतजार को भी खत्म कर दिया। 22 वर्षीय एन, मौजूदा विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता, बैंग सू-ह्यून के बाद एकल पदक जीतने वाली दूसरी

कोरियाई महिला बनीं। बैंग ने 1992 में बार्सिलोना में रजत पदक जीता था, जब बैडमिंटन ने पदक खेल के रूप में ओलंपिक में पदार्पण किया था, उसके चार साल बाद अटलांटा में स्वर्ण पदक जीता था। कुल मिलाकर, यह कोरिया के लिए केवल चौथा एकल और 2004 में एथेंस में शॉन सेउंग-मो द्वारा पुरुष वर्ग में रजत जीतने के बाद पहला पदक है।

पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला जर्मनी से

नई दिल्ली। एजेंसी

विश्व में पांचवें नंबर पर काबिज भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और मौजूदा एफआईएच हॉकी विश्व कप चैंपियन जर्मनी से भिड़ेगी। रविवार को क्वार्टर फाइनल में चौथी रैंकिंग वाली जर्मनी की सातवीं रैंकिंग वाली अर्जेंटीना पर 3-2 से जीत के बाद आखिरकार यह मुकाबला पक्का हो गया है।

दूसरे सेमीफाइनल में नीदरलैंड का मुकाबला स्पेन से होगा। नीदरलैंड, जो वर्तमान में तीसरी रैंकिंग वाली टीम है और जिसके पास दो ओलंपिक स्वर्ण हैं, ने ऑस्ट्रेलिया

को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। छठी रैंकिंग वाली ऑस्ट्रेलिया, जो तीन बार विश्व कप विजेता भी है, को एक गंभीर झटका लगा क्योंकि उन्हें भारत से (1972 के बाद से ओलंपिक में एशियाई दिग्गजों के खिलाफ उनकी पहली हार) और नीदरलैंड से लगातार दो हार का सामना करना पड़ा। स्पेन ने अपने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर एक और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में एक रोमांचक क्वार्टर फाइनल मैच में ग्रेट ब्रिटेन को हराया और रविवार को सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निर्धारित समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था, अतः भारत ने शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। वर्तमान में, भारतीय दल ने पेरिस ओलंपिक में तीन कांस्य पदक जीते हैं और ये सभी निशानेबाजी में आए हैं।

वाणिज्य

ग्लोबल मार्केट से बड़ी गिरावट के संकेत एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी बुरी तरह से टूट कर बंद हुए थे। एशियाई बाजार में भी चौतरफा दबाव बना हुआ है। आईटी और टेक कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे और निगेटिव जॉब डेटा की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान हताशा का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जॉन्स 600 अंक से अधिक की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 100.12 अंक यानी 1.84 प्रतिशत

लुढ़क कर 5,346.56 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

इसके अलावा नैस्डेक 417.98 अंक यानी 2.43 प्रतिशत की जोरदार कमजोरी के साथ 16,776.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल 311.34 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,425.92 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान भगदड़ का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 108.65 अंक यानी 1.33 प्रतिशत टूट कर 8,174.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 118.65 अंक यानी 1.64 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,521.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 421.83 अंक यानी 2.39 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 17,661.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

सर्राफा बाजार की कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली। सावन के तीसरे सोमवार के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव में गिरावट का रुख नजर रहा है। गिरावट के कारण देश के सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 70,720 रुपये से लेकर 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सराफा बाजारों में 64,840 रुपये से लेकर 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी भी आज सस्ता हुआ है, जिसके कारण दिल्ली सराफा बाजार में चांदी 85,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 70,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 64,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 70,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 64,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ईरान-इजरायल के तनाव से शेयर बाजार में भगदड़, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

पहले घंटे के कारोबार में निवेशकों को 9.52 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। एजेंसी

ईरान और इजरायल के बीच बने तनाव की वजह से पूरे दुनिया भर के शेयर बाजारों में हड़कंप पहुंचा हुआ नजर आ रहा है। घरेलू शेयर बाजार में भी बड़ी गिरावट की स्थिति बनी हुई है, जिसकी वजह से पहले घंटे के कारोबार में ही शेयर बाजार के निवेशकों को अभी तक 9.52 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

कारोबार की शुरूआत बड़ी गिरावट के साथ हुई। हालांकि पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार निचले स्तर से काफी हद तक रिकवर करने में सफल रहा। इसके बावजूद पहले घंटे के कारोबार के दौरान शेयर बाजार

1.75 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा था। पहले घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.80 प्रतिशत और निफ्टी 1.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सन फार्मास्यूटिकल्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, नेस्ले और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 1.11 प्रतिशत से लेकर 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

टाटा मोटर्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी, जेएसडब्ल्यू स्टील और ओएनजीसी के शेयर 3.87 प्रतिशत से लेकर 3.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,314 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 261 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड लुढ़ककर 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरूआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.39 डॉलर यानी 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ 77.19 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.30 डॉलर यानी 0.41 फीसदी लुढ़ककर 73.82 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

संक्षिप्त समाचार

एससी एसटी कोटे में कोटा बर्दाश्त से बाहरः रा.शि.संघ अंबेडकर

चमकता राजस्थान/भुसावर (राजवीर सिंह)। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर की ब्लॉक स्तरीय मीटिंग वीर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष भुसावर की अध्यक्षता में अंबेडकर पार्क भुसावर में आयोजित की गई जिसमें राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के ब्लॉक अध्यक्ष वीर सिंह द्वारा बताया गया की हरियालो राजस्थान के तहत राजस्थान शिक्षक संघ के प्रति शिक्षक साथी द्वारा अंबेडकर के नाम दो-दो पेड़ लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। एवं हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए एससी एसटी वर्ग में कोटे में कोटा और क्रैमिलेयर के फैसले पर माननीय सुप्रीम कोर्ट से पुनःविचार करने का अनुरोध किया गया एवं सुश्री बहन कुमारी मायावती, चिराग पासवान, चंद्रशेखर आजाद, तेजस्वी यादव, मुरारीलाल मीणा,ने समाज के साथ खुलकर विचार रखे उनकी प्रशंसा की। एवं कुर्सी से मोह रखने वाले व अपने आप को सविधान हितैषी कहने वाले नेताओ से आशा करते हैं। कि वो अपने निजी स्वार्थ को छोड़कर इस मुद्दे पर समाज के साथ अपने विचार रखे। नही तो वो दिन दूर नही जब बहुजन समाज आपका विरोध करेगा इस मौके पर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष धारासिंह पौडवाल, उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गुनेश, उपाध्यक्ष अशोक उमरेड,वीर बहादुर,रूपेंद्र,बदन सिंह, जिला महामंत्री एवं दर्जनों साथी उपस्थित रहे।

तीज्या वाले जोहड़ में लगाया बरगद का पेड़

- **बरगद का पेड़ लगाकर रोज पानी डालने का लिया संकल्पः महावीर प्रसाद सैनी**

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी (सुमेर सिंह राव)। कस्बे में तीत्या वाले जोहड के पास सोमवार को महावीर प्रसाद सैनी के सानिध्य में एक बरगद का पेड़ लगाया गया ' महावीर प्रसाद सैनी ने वृक्षारोपण के तहत बरगद का पेड़ लगाते हुए कहा कि लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर धरती का श्रृंगार करना चाहिए एवं उनमें रोज पानी डालने का संकल्प भी लेना चाहिए ' इस दौरान महावीर प्रसाद सैनी ,संतोष देवी, सोहनलाल सैनी, ललित सैनी, महेंद्र कुमार ,अनीता देवी ,निर्मला ,रितिका, कृतिका ,आयुष आदि मौजूद रहे '

जयपुर मेट्रो रेल में महिला कार्मिको द्वारा किया गया सांस्कृतिक स्नेह मिलन कार्यक्रम- 2024 का आयोजन

चमकता राजस्थान/जयपुर। जयपुर मेट्रो रेल की महिला कार्मिकों द्वारा सांस्कृतिक स्नेह मिलन कार्यक्रम -2024 का मानसरोवर मे-ट्रो परिसर स्थित सभागार में आयोजन किया गया, महिला कार्मिकों द्वारा इस उत्सव के दौरान झूला महोत्सव, मेहंदी प्रतियोगिता, एकल एवं सामूहिक नृत्य का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के पश्चात प्रतिभागियों को पारितोषिक भी प्रदान किए गए। महिलाओं द्वारा अपने जीवन में परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ कार्यालय की जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाया जाता है ऐसे में उनके सामाजिक विकास एवं मानसिक तनाव के बीच सामंजस्य होना अति आवशयक है, कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देशय महिला कार्मिकों में आपसी सामंजस्य , सद्भावना और प्रेम को बढ़ावा देना था।

अब डबल इंजन की सरकार के साथ राजस्थान नित नई ऊचाईयों को छूने के लिए लगातार प्रयासरत और कटिबद्ध हैः मदन राठौड़

चमकता राजस्थान/जयपुर, 5 अगस्त 2024। केंद्र सरकार द्वा-रा महिला सशक्तिकरण को लेकर शुरू की गई मिशन शक्ति योजना पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष सांसद मदन राठौड़ ने राज्यसभा में सवाल लगाया। राठौड ने महिला सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति योजना को लेकर राजस्थान राज्य का 2021 से लेकर 2023-24 तक का ब्योरा मांगा। सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा बताया गया कि भारत सरकार ने 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के दौरान राजस्थान राज्य सहित संपूर्ण देश में महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अम्ब्रेला स्कीम के रूप में एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम मिशन शक्ति शुरू किया गया। इसके अन्तर्गत राजस्थान राज्य को पिछले तीन वर्ष 2021-22 में 123.84 करोड़, 2022-23 में 90 करोड़ और 2023-24 में 144.18 करोड़ का बजट जारी किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार देश के हित में तमाम मुद्दों को लेकर सजग है। उसी के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति योजना में राजस्थान को पिछले तीन वर्षों में लगभग 358 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई। केंद्र सरकार द्वारा राजस्थान को इतना बजट देने के बावजूद भी कांग्रेस के शासन में महिलाओं की स्थिति बहुत ही दयनीय रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक राज्य के विकास हेतु बजट जारी कर रही है।

तीज महोत्सव-2024

नगर निगम ग्रेटर द्वारा सोमवार को आयोजित किया गया हरियाली तीज महोत्सव

लहरिया पहन जयपुर की महिलायें महापौर संग बनाई तीज

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 05 अगस्त। नगर निगम ग्रेटर द्वारा 5 अगस्त सोमवार को हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन शाम 3 बजे से मानसरोवर के मुहाना रोड़ के अभिनंदन बैंक्वेट हॉल में आयोजित किया गया। गुलाबी नगरी की गुलाबी लहरिया थीम पर आयोजित इस महोत्सव में सावन की तीज और परंपरागत रूप से मनाई गई। तीज का झूला, घेवर, तीज की सवारी और पूजन, घूमर के साथ साथ तीज के महत्व को भी महिलाओं को बताया गया।नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि हर वर्ष तीज महोत्सव मनाया जाता रहा है राजस्थान की महिलाओं के लिए तीज का विशेष महत्व है। इस बार नगर निगम ग्रेटर शहर की सैकड़ों महिलाओं और विभिन्न महिला संगठनों के साथ प्रश्नोत्तरी, घूमर, मेहंदी, थाली मेकिंग, बणी ठणी,

सबसे बड़ा घेवर बनवाकर बनाया विश्व कीर्तिमान

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत महिलाओं को भेंट किये पौधे

घेवर बनाने जैसी कई प्रतियोगिता आयोजित की गई इसके साथ ही सबसे बड़ा घेवर बनाकर एशिया बुक ऑफ़ रिकार्ड्स, इंडिया बुक ऑफ़ रिकार्ड्स में नाम दर्ज कर कीर्तिमान स्थापित किया टीम ने महापौर डॉ सौम्या गुर्जर को सर्टिफिकेट सौंपे। कार्यक्रम में तीज की सवारी भी निकाली गईनगर निगम ग्रेटर के तीज महोत्सव में उपहार के रूप में पेड़ दिया गया ताकि महिला -शक्ति इस मुहिम में जुड़कर एक करोड़ पेड़ लगाने के लक्ष्य में बढ़ चढ़ कर भाग ले साथ ही स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा हैंडमेड़ प्रोडक्ट की स्टॉल भी लगाई गई जिस पर महिलाओं ने खरीदारी भी की।

तीज महोत्सव में बना बड़ा कीर्तिमान

इस तीज महोत्सव में निगम महिलाओं का मुँह मीठे घेवर से किया गया। यह सवा सात फीट के घेवर को 20 कारीगरों द्वारा पांचवे प्रयास में बनाया गया जिसमें एक हजार किलो घी, 105 किलो मैदा, 125 किलो पनीर, 125 किलो दूध से घेवर तैयार किया गया है। यह घेवर 800 किलो की कड़ाई पर बनाई गई जिसकी चौड़ाई 7.50 फीट एवं 10 इंच लम्बा है। तीज उत्सव में लोगों को दिखाया और खिलाया गया। वहीं वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम भी इस दौरान वहाँ उपस्थित रही साथ ही सैकड़ों महिलाएँ भी इस अनूठे रिकॉर्ड की साक्षी बनी। कार्यक्रम में अध्यक्ष ,पार्षद सहितबड़ी संख्या में महिला संगठन,लेडीज क्लब की महिलाओ की मौजूदगी रही।

बीकानेर हाउस में धूमधाम से मनाया गया रंगारंग तीज उत्सव 2024

रूडा क्रॉफ्ट मेले का भी किया जा रहा आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर, 5 अगस्त। राजस्थानी तीज उत्सव 2024 में संस्कृति, परंपरा और शिल्प कौशल का भव्य आयोजन सोमवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या के साथ शुरू हुआ। यह आयोजन एक सप्ताह तक चलने वाले रूडा क्रॉफ्ट मेले की शुरुआत है। 11 अगस्त तक चलने वाले इस मेले में राजस्थान की उत्कृष्ट कला और शिल्प कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा।

तीज उत्सव में पारंपरिक संगीत, नृत्य और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने वाले प्रदर्शन शामिल रहेंगे। इस संध्या में विशिष्ट अतिथियों और कलाकारों ने अपनी उपस्थिति और प्रदर्शन से उत्सव के माहौल को और बेहतर बना दिया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव और मुख्य आवासीय आयुक्त श्री सुधांश पंत ने कहा कि रूडा क्रॉफ्ट मेला

केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि राजस्थान के शिल्पकारों के कौशल और रचनात्मकता का उत्सव है। यह उन्हें एक व्यापक दर्शक-ें तक पहुंचने और आजीविका को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को राजस्थान की सुंदरता और विविधता का अनुभव करने के लिए बीकानेर हाउस में आमंत्रित करते हैं। प्रमुख आवासीय आयुक्त श्री आलोक ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तीज उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का उत्सव है। यह राजस्थान की रंगारंग कला और शिल्प को एक अनूठा मंच प्रदान करता है, जहां कलाकार अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हैं। हमें गर्व है कि हम इस उत्सव को दिल्ली और उससे बाहर के लोगों के लिए पेश कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि यह उत्सव सभी को खुशी और प्रेरणा प्रदान करेगा।

सांस्कृतिक संध्या की संगीतात्मकता में चार चाँद लगाते हुए प्रसिद्ध गायक सवाई भट्ट ने अपनी मधुर धुनों पर पारंपरिक राजस्थानी गीतों का जादू बिखेरा। आयोजन पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओमप्रकाश ने तीज उत्सव 2024 के आयोजन को प्रवासी राजस्थानी के लिए एक सम्मान की बाताया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव राजस्थान की समृद्ध संगीत परंपरा का सुंदर प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा इस हैंडीक्राफ्ट मेले का आयोजन करके दिल्ली वासियों के लिए प्रसिद्ध राजस्थानी वस्तुओं को एक ही पर-िसर में खरीदारी के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि बीकानेर हाउस में 11 अगस्त तक रूडा के माध्यम आयोजित हो रहे क्रॉफ्ट मेले में हस्तनिर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है, जिसमें वस्त्र, मिट्टी के बर्तन, आभूषण आदि शामिल हैं। यह मेला न केवल आगंतुकों को प्रामाणिक राजस्थानी शिल्प खरीदने का अवसर देता है, बल्कि शिल्पकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने और जनता से सीधे रू-ब-रू होने का मंच भी प्रदान करता है।

रिलायंस दो पायदान चढ़कर फॉर्च्यून ग्लोबल 500 लिस्ट में 86 वें स्थान पर पहुंची

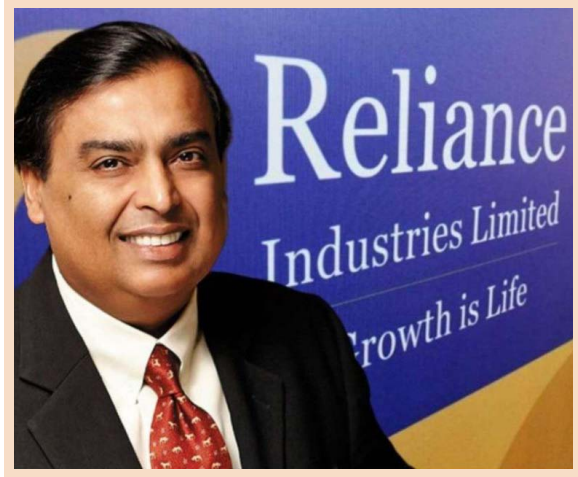

चमकता राजस्थान/नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2024। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 लिस्ट में 2 पायदान चढ़कर रिलायंस 86 वें स्थान पर पहुंच गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज पिछले तीन साल में लिस्ट में 69 स्थान की छलांग लगा चुकी है। साल 2021 में रिलायंस 155 वें स्थान पर थी। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 लिस्ट में भारतीय कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान सबसे ऊपर बना हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार 21 सालों से इस फॉर्च्यून ग्लोबल लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए है। कोई भी भारतीय कंपनी इतने लंबे समय तक इस लिस्ट में बनी नहीं रह सकी है। फॉर्च्यून के मुताबिक रिलायंस का रेवेन्यू 108877 मिलियन डॉलर रिक-ॉर्ड किया गया। कंपनी का प्रॉफिट 1.3 फीसदी बढ़कर 8,412 मिलियन डॉलर के स्तर पर जा पहुंचा और करीब साढ़े तीन लाख कर्मचारियों ने रिलायंस को अपनी सेवाएं दी। फॉर्च्यून ग्लोबल 500 लिस्ट में वालमार्ट, अमेजन और स्टेट ग्रिड पहले तीन स्थानों पर काबिज हैं। इसके अलावा एप्पल, टोयोटा मोटर्स, अल्फाबेट, सैमसंग और मेटा प्लेटफॉर्म जैसी कुछ प्रमुख कंपनियां भी पहले 100 में शामिल हैं।

सांसद नीरज डाँगी ने राजसमन्द व पाली के बीच 'देसूरी की नाल' पर एलिवेटेड रोड़ की मांग उठाई

चमकता राजस्थान

जयपुर/ नई दिल्ली (खलील कुरैशी) जिब्रान 05 अगस्त। सांसद नीरज डांगी ने राज्य सभा में शून्यकाल के दौरान सदन में राजस्थान के उदयपुर, पाली, जैसलमेर व जोधपुर को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग एस. एच.16 का एक घाट सेक्शन जो राजसमन्द जिले के गढ़बोर से देसूरी के मध्य 8 किलोमीटर का हिस्सा ₹देसूरी की नाल₹ पर एलिवेटेड रोड़ बनाकर व्यापारिक, धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व के जिलों एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमा जैसलमेर को जोड़ने और यहां लगातार हो रही जनहानि पर रोकथाम की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इस 'देसूरी की नाल' में सन् 1952 से अब तक लगभग 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। नीरज डाँगी ने बताया कि व्यापारिक एवं सैन्य स्थल के महत्व का यह राजमार्ग राजस्थान के प्रमुख व्यवसाय मार्बल, ग्रेनाईट के प्रमुख नगरों उदयपुर, राजसमन्द, पाली, जोधपुर, जालौर, सिरोही, भीनमाल व माऊंटआबू तक जाने का मुख्य मार्ग है, जो कम दूरी व कम समय में व्यापार को बढावा देता है एवं यह मार्ग गोमती चारभुजा-देसूरी होकर आगे गंतव्य तक जाता है। इसके अतिरिक्त यह मार्ग देसू-री की नाल उदयपुर को भारतीय

सेना के अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर जैसलमेर से भी जोड़ता है। इस मार्ग का इस्तेमाल भारतीय सेना के वाहन भी उदयपुर-जैसलमेर के मध्यम करते हैं।उन्होंने बताया कि धार्मिक महत्व के श्री रणकपुर मंदिर, श्री परशुराम महादेव मंदिर, श्रीचारभुजा नाथ जी मंदिर एवं श्रीनाथ जी मंदिर नाथद्वारा जैसे धार्मिक आस्था एवं अत्यंत मान्यता वाले स्थानों को जोड़ता है। डाँगी ने बताया कि ऐतिहासिक महत्व के 'हल्दी घाटी' जहां महाराणा प्रताप ने अपनी ताकत का लोहा मनवाया था, जहां हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया था वह प्रसिद्ध स्थल 'हल्दी घाटी' भी इसी क्षेत्र में है। अरावली पर्वत श्रृंखलाओं के समीप Unesco World heritage site विश्व प्रख्यात कुम्भलगढ़ दुर्ग भी यहीं स्थित है जिसकी दीवार The Great Wall of India विश्व में The Great Wall of Chin के बाद दूसरी सबसे बड़ी दीवार है।उन्होंने देसूरी की नाल क्षेत्र में देश ही नहीं बल्की समूचे एशिया का सबसे बड़ा सड़क हादसा (देसूरी दुखांतिका) जिसमें 7 सितंबर, 2007 को इसी स्थान पर 108 लोगों की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि यहां पर प्रतिवर्ष भारतीय सेना के वाहनों सहित लगभग 100 लोंगों की सड़क हादसे में मौत होती है। इन हादसों में मार्बल व अन्य सामान की क्षति सहित प्रतिवर्ष व्यापारिकयों को करोड़ोंरुपयों का नुकसान उठाना पड़ता है।सांसद डाँगी ने बताया कि देसूरी-चारभुजा के मध्य लगभग 8 किमी के इस घाट सेक्शन में 12 खतरनाक र व छ सेक्शन के मोड़ है और 5 संकड़ी पुलियाओं पर खतरनाक ढलान है, जिसमें वाहनों की सांस हांफ जाती है और ब्रेक फेल हशेकर वाहन कभी चट्टानों से टकराते हैं तो कभी पास की 40 फीट गहरी खाई में गिरते हैं। देसूरी की नाल में सन् 1952 से अब तक 1000 से अधिक लोकों की मौतें हो चुकी है।उन्होंने मांग की कि इस पर गंभीरता दिखाते हुए केन्द्र सरकार देसूरी की नाल में लगातार होती जनहानि पर ध्यान देते हुए यदि वहां पर एलिवेटेड रोड़ बनाई जाती है तो वर्षों से चला आ रहा मौतों का सिलसिला खत्म होगा एवं आसपास के क्षेत्र के आमजन व स्थानीय व्यापारियों की एक बड़ी समस्या का स्थाई निवारण हो सकेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929